दैनिक
पुष्पांजली टुडे
MPHIN/2021/83938
नई सोच नई पहल
ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः 46 | ग्वालियर, बुधवार 30 अक्टूबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

नब्ज पर हाथ -अजीत द्विवेदी

परिसीमन का क्या पैमाना होगा?

केंद्र सरकार ने जनगणना की अधिसूचना जारी नहीं की है, लेकिन एक, जनवरी 2025 से प्रशासनिक सीमाएं सील हो जाएंगी और उससे पहले भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण का कार्यकाल अगस्त 2026 तक बढ़ा दिया गया है, जिससे यह संकेत मिल रहा है कि अगले साल जनगणना होगी। उसके अगले साल यानी 2026 में लोकसभा सीटों का परिसीमन होगा और फिर इसी आधार पर 2029 में साथ होने वाले चुनाव में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने एक सामाजिक कार्यक्रम में, जहां 16 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया जाना था, वहां कहा कि 'जब हम ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जहां संसद में सीटों की संख्या कम होने वाली है तो हमें छोटा परिवार क्यों रखना चाहिए'?

इसके आगे उन्होंने नवविवाहित जोड़ों से ज्यादा बच्चे पैदा करने और उन्हें सुंदर तमिल नाम देने का आग्रह किया। हालांकि उन्होंने संसद में सीटों की संख्या कम होने के बारे में विस्तार से कुछ नहीं कहा लेकिन उनका इशारा परिसीमन के बाद की स्थितियों की ओर था। उनसे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने का आग्रह किया था। हालांकि उनका घोषित सरोकार यह था कि दक्षिण के राज्यों में आबादी बूढ़ी हो रही है और कामकाजी युवाओं की संख्या कम हो रही है। परंतु कहीं न कहीं वे भी इस बात से चिंतित हैं कि अगर आबादी के आधार पर लोकसभा सीटों का परिसीमन हुआ तो दक्षिण के राज्यों की राजनीतिक हैसियत घटेगी।

तभी यह बड़ा सवाल है कि लोकसभा सीटों के परिसीमन का आधार क्या होगा? क्या सीधे तौर पर जनसंख्या के हिसाब से सीटों की संख्या में बढ़ोतरी कर दी जाएगी? अगर ऐसा हुआ तो उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों को फायदा होगा और दक्षिण भारत के राज्य घाटे में रहेंगे। तभी चंद्रबाबू नायडू और एमके स्टालिन की चिंता सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक दिखती है। यह चिंता क्षेत्रीय वर्चस्व और फिर अस्मिता की राजनीति में भी बदल सकती है, जिससे एक बड़ा खतरा पैदा हो सकता है।

इसलिए सरकार को परिसीमन के फॉर्मूले के बारे में तर्कसंगत तरीके से विचार करना होगा और उस पर सभी दलों व राज्यों की सहमति अनिवार्य रूप से लेनी होगी। ध्यान रहे लोकसभा सीटों का परिसीमन जम्मू कश्मीर की तरह नहीं होगा, जहां मनमाने तरीके से भौगोलिक सीमाओं का ध्यान रखे बगैर इस तरह से विधानसभा सीटों का सीमांकन हुआ कि जम्मू क्षेत्र में छह सीट बढ़ गई और कश्मीर घाटी में सिर्फ एक सीट बढ़ी।

आजादी के बाद से मोटे तौर पर आबादी के आधार पर ही लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या तय होती रही है। तभी उत्तर प्रदेश में 80 सीटें हैं और तमिलनाडु में 39 हैं। लेकिन आजादी के बाद राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के उपायों को अलग अलग तरीके से लागू किया। आर्थिक रूप से विकसित राज्यों ने बेहतर ढंग से जनसंख्या नियंत्रण का किया तो उनके यहां जनसंख्या वृद्धि की दर राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे आ गई। दक्षिण के राज्यों में तो जनसंख्या बढ़ने की दर रिप्लसमेंट रेट से भी कम है। रिप्लेसमेंट रेट 2.1 है। इसका मतलब होता है कि अगर दो लोग मिल कर 2.1 बच्चे पैदा करते हैं तो जनसंख्या नहीं बढ़ेगी वह स्थिर हो जाएगी। दक्षिण के राज्यों में जनसंख्या बढ़ने की दर 1.6 फीसदी है, जो रिप्लेसमेंट रेट से काफी कम है, जबकि उत्तर के राज्यों खास कर बिहार और उत्तर प्रदेश में वृद्धि दर रिप्लेसमेंट रेट से ज्यादा है।

ऐतिहासिक रूप से यह स्थिति रही है तभी दक्षिण के राज्यों में आबादी नियंत्रित हो गई और उत्तर भारत के राज्यों में बढ़ती चली गई। हालांकि अब वहां भी रफ्तार धीमी हो रही है लेकिन उन राज्यों की जनसंख्या बहुत ज्यादा है। अगर इस आधार पर उनकी लोकसभा सीटें बढ़ती हैं तो यह उन राज्यों के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने अपने यहां आबादी का बढ़ना रोका। उन्होंने अच्छा काम किया इसके लिए उनको सजा नहीं दी जानी चाहिए।

अगर सरकार पारंपरिक रूप से आबादी को आधार बनाती है और औसतन 20 लाख की आबादी पर एक सीट का फॉर्मूला तय होता है तो दक्षिण के ज्यादातर राज्यों में सीटों में कोई बदलाव नहीं होगा, जबकि उत्तर प्रदेश में सीटों की संख्या 80 से बढ़ कर 120 हो जाएगी। बिहार में 40 से बढ़ कर 70 हो जाएगी। सोचें, इससे इन राज्यों की राजनीतिक हैसियत कितनी बढ़ जाएगी? अगर ऐसा होता है तो ओवरऑल लोकसभा की सीटों में बड़ी बढ़ोतरी करनी होगी। वैसे नए संसद भवन में इसकी तैयारी पहले हो चुकी है। नए संसद भवन में निचले सदन यानी लोकसभा में 880 सांसदों के बैठने की व्यवस्था है। अगर संख्या इतनी नहीं भी बढ़ाएं तब भी आठ सौ तक संख्या जा सकती है। इस फॉर्मूले से यानी आबादी के अनुपात में सीटों की संख्या बढ़ाने का फैसला होता है तो दक्षिण के सभी राज्यों को मिला कर करीब 20 सीट का फायदा होगा। लेकिन उत्तर और पश्चिम भारत के राज्यों में डेढ़ सौ से ज्यादा सीटें बढ़ जाएंगी।

अगर सरकार लोकसभा सीटों की संख्या नहीं बढ़ाने का फैसला करती है तब परिसीमन में जनसंख्या का पैमाना 30 लाख की आबादी पर एक सीट का रखना होगा। अगर ऐसा किया जाता है तब उत्तर प्रदेश में 80 और बिहार में 42 सीटें होंगी। लेकिन ऐसे में कम से कम आठ राज्य ऐसे होंगे, जहां लोकसभा की एक भी सीट नहीं बनेगी क्योंकि उन राज्यों की आबादी 30 लाख से कम है। अगर किसी भी राज्य में जीरो सीट नहीं रखनी है यानी चाहे जितनी आबादी हो उसे कम से कम एक लोकसभा सीट देनी है तो सबसे छोटे राज्य की आबादी के हिसाब से एक सीट का फॉर्मूला बनाना होगा। ऐसे में ओवरऑल सीटों की संख्या में छह सीटों की बढ़ोतरी होगी यानी कुल सीट संख्या 549 हो जाएगी। लेकिन उत्तर प्रदेश में तब भी 12 सीटें बढ़ जाएंगी। बिहार में भी 10 सीटों का इजाफा होगा। राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात आदि में भी ठीक ठाक बढ़ोतरी होगी। इसके बरक्स पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु आदि में सीटों की संख्या घटेगी।

इनमें से कोई भी फॉर्मूला बहुत युक्तिसंगत नहीं लगता है। सीटों की मौजूदा संख्या कायम रखने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि आबादी बहुत बढ़ चुकी है और एक सांसद के लिए इतनी बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करना संभव नहीं है।

-शेष हाल-फिलहाल पेज पर

यूपी के लखनऊ से मर्डर के अलग-अलग मामलों में शामिल दो आरोपी गिरफ्तार

पंजाब और उत्तर प्रदेश पुलिस के एक कंबाइन्ड ऑपरेशन के तहत मर्डर के अलग-अलग मामलों में शामिल दो आरोपियों को लखनऊ से अरेस्ट किया गया। एक टॉप ऑफिशियल ने बताया कि अरेस्ट किए गए आरोपियों में तिहरे हत्याकांड का आरोपी भी शामिल है। मिली जानकारी के मुताबिक दो आरोपियों पर हत्या समेत कई आपराधिक केस दर्ज हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार इस कार्रवाई को एक गुप्त सूचना के आधार पर किया गया। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने यहां बताया कि दोनों आरोपी (तरनतारन के गांव सुर सिंह के निवासी बिक्रमजीत उर्फ विक्की और तरनतारन के गांव संधरा निवासी पंजाब सिंह) लखनऊ में अपने विदेशी आकाओं द्वारा मुहैया कराए गए किराए के घर में एक साथ रह रहे थे। विक्की कथित तौर पर गोपी चोहला के मर्डर में शामिल था। गोपी की एक मार्च को तरन तारन में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पंजाब सिंह सितंबर में फिरोजपुर में दिलदीप सिंह और उसके दो रिश्तेदारों का दिनदहाड़े मर्डर करने का मेन आरोपी है। एक कार में तीन सितंबर को दिलदीप सिंह, अनमोलप्रीत सिंह, जसप्रीत कौर, आकाशदीप और हरप्रीत उर्फ जोंटी यात्रा कर रहे थे, तभी अचानक फिरोजपुर शहर के कंबोज नगर में गुरुद्वारा श्री अकालगढ़ साहिब के पास 6 अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोलियां की बौछार कर दी।

एलएसी पर 2020 की स्थिति बहाल

सैन्य वापसी समझौता देपसांग और डेमचोक में हुआ। दोनों देश बाकी जगहों पर बातचीत जारी रखने पर सहमत।

नई दिल्ली ■ नया इंडिया ब्यूरो
भारत और चीन के बीच समझोते के बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति की बहाली शुरू हो गई है। पहले से निर्धारित मंगलवार, 29 अक्टूबर तक दो चौकियां खाली हो गई हैं। जानकार सूत्रों का कहना है कि देपसांग और डेमचोक में सैनिकों की वापसी का काम पूरा हो गया है और इस महीने के आखिरी दिन यानी 31 अक्टूबर से पहले की तरह दोनों देशों के सैनिकों की गश्त शुरू हो सकती है। इसके अलावा कुछ अन्य क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी पर दोनों देश बात करते रहेंगे।

गोरतलब है कि 21 अक्टूबर को विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच समझोता होने की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि दोनों देश सैनिकों को पीछे हटाने और अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति बहाल करने पर राजी हो गए हैं। इसके अगले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स सम्मेलन की बैठक में हिस्सा लेने किए रूस के शहर कजान गए, जहां पांच साल के बाद उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग के साथ दोपक्षीय वार्ता की। इस वार्ता में भरोसा बहाल करने पर चर्चा हुई थी।

बहरहाल, विदेश सचिव की ओर से समझोते की जानकारी दिए जाने के बाद एक बयान में रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि भारत और चीन 28 से 29 अक्टूबर तक एलएसी पर सैन्य वापसी की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। उसके बाद सैनिकों की गश्त शुरू हो जाएगी। गोरतलब है कि सैन्य वापसी समझोता देपसांग के मैदानों और डेमचोक के लिए हुआ है। बाकी जगहों पर बातचीत जारी रखने पर दोनों देश सहमत हुए हैं।

इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि लद्दाख सीमा पर दो टकराव बिंदुओं पर वापसी पहला कदम है और तनाव कम करना अगला कदम है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच विश्वास और इच्छाशक्ति का निर्माण करने में समय लगेगा। जयशंकर ने कहा कि सीमा पर स्थिति बहुत परेशान करने वाली रही है और इसका दोनों देशों के बीच संबंधों पर बहुत नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। यही बात सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भी कही थी। उन्होंने कहा था कि भरोसा बहाल करना पहली जरुरत है।

बहरहाल, समझोते को लेकर रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा था कि दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों को बेहतर बनाने के लिए एक बड़े कदम के रूप में, भारत और चीन 28 से 29 अक्टूबर तक एलएसी पर सैन्य वापसी की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया था- जब दोनों पक्षों के सैनिक पीछे हट जाएंगे और अस्थायी ढांचों को हटा लेंगे, तब एलएसी के कुछ क्षेत्रों में गश्त शुरू हो जाएगी। यह दोनों सेनाओं के बीच 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद विवाद का पहला सफल समाधान है।

बुजुर्गों का पांच लाख तक मुफ्त इलाज शुरू

नई दिल्ली। आयुर्वेद के जनक धन्वतंरि की जयंती के मोके पर मंगलवार, 29 अक्टूबर को 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों के लिए पांच लाख रुपए तक मुफ्त इलाज की सुविधा शुरू हो गई है। धनतेरस और आयुर्वेद दिवस के मोके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस योजना की शुरुआत की। इस योजना के तहत देश के छह करोड़ से ज्यादा बुजुर्गों को फायदा मिलेगा। केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को विस्तार देते हुए इसमें बुजुर्गों को शामिल किया है। हरियाणा और जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव के समय केंद्रीय केबिनेट ने इसकी मंजूरी दी थी और महाराष्ट्र व झारखंड के चुनाव के बीच इसे लागू किया गया है।

बहरहाल, मंगलवार को इस योजना की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स में बुजुर्ग नागरिकों को आयुष्मान वय वंदन कार्ड सौंपा। इस मोके पर उन्होंने कहा- मुझे आज संतोष है कि इस योजना का विस्तार हो रहा है। चुनाव के समय मैंने गारंटी दी थी कि तीसरे कार्यकाल में 70 वर्ष से ऊपर के सभी बुजुर्गों को इस योजना के दायरे में लाया जाएगा। आज धनवंतरि जयंती पर ये गारंटी पूरी हो रही है। मोदी ने कहा- अब 70 साल से ज्यादा उम्र के हर बुजुर्ग को अस्पताल में मुफ्त इलाज मिलेगा। ऐसे बुजुर्गों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड दिया जाएगा। सरकार का प्रयास है कि यह काम जल्दी से जल्दी हो। ये ऐसी योजना है जिसमें आय की कोई पाबंदी नहीं है। हर कोई लाभार्थी बन सकता है। इस मोके पर प्रधानमंत्री ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी और पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस की सरकार पर भी निशाना साधा और कहा- मैं दिल्ली और बंगाल के 70 साल के ऊपर के बुजुर्गों से क्षमा मांगता हूं कि उनकी सेवा नहीं कर पाऊंगा। आपको कष्ट होगा, लेकिन मैं मदद नहीं कर पाऊंगा। कारण, दिल्ली और बंगाल की सरकार इस योजना से नहीं जुड़ रही है।

हिजबुल्लाह का नया चीफ होगा नईम कासिम

नई दिल्ली। इजराइली हमले में हिजबुल्लाह के चीफ हसन नसरल्लाह के मारे जाने के 32 दिन बाद इसके नए चीफ की घोषणा हुई है। हिजबुल्लाह के डिप्टी लीडर नईम कासिम को मंगलवार को संगठन की जिम्मेदारी सौंपी गई। हिजबुल्लाह की तरफ से जारी किए बयान में कहा गया है कि कासिम को इस पद के लिए चुना है, क्योंकि उन्होंने संगठन के उसूलों का हमेशा पालन किया है। अल्लाह उन्हें अपने मिशन में कामयाब होने का रास्ता दिखाए।

कासिम संगठन में नंबर दो की पोजिशन पर था। नसरल्लाह की मौत के बाद कासिम ने ही लेबनान की जनता को संबोधित किया था। संयुक्त अरब अमीरात की मीडिया के मुताबिक वह ईरान में रह रहा है। कासिम ने पांच अक्टूबर को बेरूत छोड़ दिया था। खबर है कि उसे ईरान के विदेश मंत्री के विमान से ले जाया गया था। खबरों के मुताबिक ईरान के नेताओं ने इजराइल के डर से कासिम को वहां से निकालने का आदेश दिया था। हिजबुल्लाह चीफ बनने की रेस में नईम से पहले हाशेम सेफिद्दीन का नाम आगे चल रहा था। हालांकि, इजराइल के हवाई ह मले में वह भी मारा गया। उसकी मौत की पुष्टि खुद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने की थी।

चुनाव आयोग ने आरोप खारिज किए

चुनाव आयोग ने 16 सौ पन्नों के अपने जवाब में कांग्रेस की ओर से लगाए गए आरोपों को निराधार, गलत बताया।

नई दिल्ली ■ नया इंडिया ब्यूरो
चुनाव आयोग ने हरियाणा चुनाव में गड़बड़ी और इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम से छेड़छाड़ के कांग्रेस के आरोपों को खारिज कर दिया है। नतीजों के बाद कांग्रेस ने कई तरह की गड़बड़ियों के आरोप लगाए थे। लेकिन चुनाव आयोग ने 16 सौ पन्नों के अपने जवाब में कांग्रेस की ओर से लगाए गए अनियमितता के आरोपों को निराधार, गलत और तथ्यहीन बताते हुए खारिज कर दिया है। आयोग ने कांग्रेस पार्टी को हर चुनाव के बाद निराधार आरोप लगाने से दूर रहने के लिए कहा।

चुनाव आयोग ने कांग्रेस से आग्रह किया कि मतदान और मतगणना के दिनों जैसे संवेदनशील समय पर गैर जिम्मेदाराना नहीं लगाने चाहिए क्योंकि इस तरह के आरोप सार्वजनिक अशांति और अराजकता का कारण बन सकते हैं। पिछले एक साल में पांच खास मामलों का हवाला देते हुए, चुनाव आयोग ने सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को नसीहत दी और कहा कि कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी को बिना किसी सबूत के चुनावी से जुड़े कार्यों पर आदतन हमलों से बचना चाहिए।

कांग्रेस के आरोपों का जवाब देते हुए चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखा कि हरियाणा में चुनावी प्रक्रिया में हर चरण बिना किसी अनियमितता के था और कांग्रेस उम्मीदवारों या एजेंटों की निगरानी में किया गया था। चुनाव आयोग ने 1,642 पन्नों का जवाब भेजा, जिसमें कई किस्म के सबूत शामिल हैं। आयोग ने बताया कि हर चरण पर कांग्रेस उम्मीदवारों के अधिकृत प्रतिनिधि मौजूद थे।

गोरतलब है कि चुनाव आयोग से कांग्रेस की शिकायत के अलावा यह मामला सुप्रीम कोर्ट में भी पहुंच गया है। 16 अक्टूबर को कांग्रेस की ओर से प्रिया मिश्रा और विकास बंसल ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान 20 सीटों पर वोटिंग व काउंटिंग में गड़बड़ी के आरोप लगाकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि चुनाव आयोग ने ईवीएम से हरियाणा में चुनाव कराए हैं। उसी के आधार पर नतीजे भी घोषित किए हैं। मगर, कुछ ईवीएम 99 प्रतिशत बेटरी क्षमता पर काम कर रही थीं, जबकि कुछ 60 से 70 और 80 प्रतिशत से कम बेटरी क्षमता पर काम कर रही थीं।

एयर इंडिया की 32 उड़ानों को धमकी

नई दिल्ली ■ नया इंडिया ब्यूरो
हवाईअड्डों पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए की साइबर विंग के अधिकारियों की तेनाती और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को चेतावनी देने के बावजूद भारतीय विमानन कंपनियों की उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी देने का सिलसिला थम नहीं रहा है। मंगलवार, 29 अक्टूबर को 32 विमानों में बम की धमकी मिली है। खबरों के मुताबिक मंगलवार को जिन विमानों में बम की धमकी मिली, वे सभी एयर इंडिया के हैं।

इस बीच विमानों में बम की धमकी देने के मामले में एक और आरोपी की पहचान हुई है। नागपुर पुलिस के मुताबिक, यह महाराष्ट्र के गोंदिया का जगदीश उइके है। यह आतंकवाद पर किताब भी लिख चुका है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम ने फर्जी ईमेल की खोजबीन करके आरोपी का पता लगाया है। आरोपी अभी फरार है, जिसे पकड़ने के लिए पुलिस की स्पेशल टीमें बनाई गई हैं। वह 2021 में एक केस में गिरफ्तारर भी हो चुका है।

गोरतलब है कि पिछले 16 दिन में साढ़े चार सो से ज्यादा उड़ानों को धमकी दी जा चुकी है, जिससे विमानन कंपनियों को सेकड़ों करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। हालांकि सारी धमकियां गलत साबित हुई हैं। इस सिलसिले में दो युवक पहले पकड़े जा चुके हैं। दिल्ली पुलिस ने 26 अक्टूबर को शुभम उपाध्याय पकड़ा था। उसने 25 अक्टूबर को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उड़ान में बम की झूठी धमकी वाली दो पोस्ट की थीं। उसने फेमस होने के लिए ऐसा किया था। इससे पहले मुंबई पुलिस ने छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव से 17 साल के नाबालिग को हिरासत में लिया था। उसने पैसों के लेनदेन के विवाद में दोस्त को फंसाने के लिए उसके नाम से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अकाउंट बनाकर 14 अक्टूबर को चार उड़ानों में बम होने की झूठी पोस्ट की थी।

मोदी ने युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

फोटो-एएनआई

नई दिल्ली। तीसरी बार सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे। तीसरी सरकार की ओर से मंगलवार, 29 अक्टूबर को पहले रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने 51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए। इसके लिए देश में 40 जगहों पर रोजगार मेले का आयोजन किया गया था।

रोजगार मेले की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी की दूसरी सरकार के कार्यकाल के आखिर में हुई थी। अक्टूबर 2022 में रोजगार मेले की शुरुआत हुई थी। अब तक 13 मेलों में साढ़े आठ लाख से ज्यादा युवाओं को नोकरी दी जा चुकी है। इससे पहले आखिरी रोजगार मेला 12 फरवरी 2024 को आयोजित किया गया था, जिसमें एक लाख से ज्यादा लोगों को नियुक्ति पत्र बांटा गया था। बहरहाल, रोजगार मेले में मोदी ने युवाओं से गरीबों, पिछड़ों की सेवा करने को कहा। नियुक्ति पत्र पाने वाले युवाओं से मोदी ने कहा- आप जनता के सेवक हैं शासक नहीं। इसलिए आप गरीबों, पिछड़ों की सेवा कीजिए। अगले 25 सालों में आप ही विकसित भारत बनाएंगे। मोदी ने कहा- देश में नई तकनीक आए, नया विदेश निवेश आए, इसके लिए हमने स्कीम लॉन्च की। मेक इन इंडिया अभियान और पीएलआई स्कीम ने मिलकर रोजगार सृजन की गति कई गुना तेज कर दी है। हर सेक्टर के उद्योगों को बढ़ावा मिल रहा है। युवाओं के लिए नए मोके बन रहे हैं।

अमेरिका में बैलेट बॉक्स में आग लगी

नई दिल्ली ■ नया इंडिया ब्यूरो
अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से ठीक एक हफ्ते पहले दो जगह बैलेट बॉक्स में आग लगने की घटना हुई है। गोरतलब है कि अमेरिका में पांच नवंबर को मतदान होना है लेकिन उससे पहले कई राज्यों में एडवांस वोटिंग चल रही है और ढाई करोड़ से ज्यादा लोग मतदान कर चुके हैं। तभी बैलेट बॉक्स में आग लगने की घटना को लेकर चिंता जताई जा रही है। यह भी कहा जा रहा है कि अमेरिकी चुनाव में मतदान के दिन और बाद में हिंसा भड़कने की आशंकाएं सही साबित हो सकती हैं।

बहरहाल, आग लगने की पहली घटना वॉशिंगटन के वेंकूवर की है, जहां बैलेट बॉक्स में आग लग गई। इसमें जमा हुए सेकड़ों बैलेट पेपर जलकर राख हो गए। बैलेट बॉक्स के जलने की दूसरी घटना ओरेगन के पोर्टलेंड में हुई। हालांकि वहां बैलेट पेपर्स को जलने से बचा लिया गया। कहा जा रहा है कि सिर्फ तीन बैलेट जल गए। चुनाव अधिकारी टिम स्कॉट ने कहा कि जिन मतदाताओं के बैलेट पेपर जले हैं उनसे संपर्क कर उन्हें नए मतपत्र दिए जाएंगे। आग केसे लगी फिलहाल इसका पता नहीं चल पाया है। चुनाव अधिकारी सीसीटीवी फुटेज के जरिए आग लगाने वालों का पता लगाने की कोशिश में जुटे हैं।

खबरों के मुताबिक वेंकूवर में जले बैलेट बॉक्स में सेकड़ों मतपत्र जल गए हैं। वहां के चुनाव निदेशालय की प्रवक्ता लोरा शेपर्ड ने शनिवार 11 बजे के बाद इस बॉक्स में मतपत्र डालने वाले सभी लोगों से अपने मतपत्र को वेरिफाई करने का अनुरोध किया है। इस बीच एफबीआई के एक प्रवक्ता ने कहा है कि इन घटनाओं की जांच राज्य और स्थानीय एजेंसियों की मदद से की जा रही है। गोरतलब है कि एफबीआई और होमलेंड सिक्योरिटी ने इस तरह की घटनाओं की चेतावनी दी थी। एजेंसियों ने कहा था कि चरमपंथी चुनाव के दौरान हिंसा भड़का सकते हैं। हाल ही में इसी तरह की अन्य घटनाएं भी सामने आई हैं। एरिजोना के फीनिक्स में एक पोस्ट ऑफिस के बाहर एक मेलबॉक्स में आग लग गई थी। वहां एक व्यक्ति पर आगजनी का आरोप लगा है, हालांकि पुलिस का कहना है कि ये चुनाव से जुड़ा मामला नहीं था।

मेडिकल ऑफिसर की शिकायत पर तथाकथित पत्रकार पर मामला दर्ज

भिण्ड। सोहन के शासकीय हॉस्पिटल में पदस्थ मेडिकल ऑफिसर डॉ.हेमा बघेल पिता ग्याप्रसाद बघेल उम्र 32 साल निवासी सिटी सेन्टर ग्वालियर हाल निवासी बार्ड नं. 13 वृद्धा आश्रम के पास दबोह ने दबोह थाने में एक शिकायती आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है।जिसमे उन्होंने पियूष बिरथरिया पिता अमृतलाल बिरथरिया निवासी दबोह के द्वारा मां बहिन की गन्दी गन्दी गालियां देकर जान से मारने की धमकी देना बताया है।जिसके चलते डॉ.हेमा बघेल की शिकायत पर थाना दबोह पुलिस ने प्रथम दृष्टया से पियूष बिरथरिया पर धारा 296, 351(3), 308(1),308(2), 308 (5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है।महिला डॉ. हेमा बघेल में बताया कि पियूष बिरथरिया पिता अमृतलाल बिरथरिया निवासी दबोह के द्वारा मुझे को माँ बहिन की गंदी गन्दी गालियां देकर जान से मारने की धमकी दी गई है आगे उन्होंने बताया कि दिनांक 12/07/24 को मेरे व्हाट्सएप मो.न. 8120122447 पर पियूष बिरथरिया पिता अमृतलाल बिरथरिया निवासी दबोह ने अपने व्हाट्सएप मो.न. 9301795914 से मुझे व्हाट्सएप पर मैसेज किया।मैसेज में पियूष बिरथरिया के द्वारा मुझे सुन्दर धन्वंतरि की योग्य पुत्री,स्वीड डल एवं 15 तारीख तक 21+29=50 करवा देना क्योकि 16 को डीडी भेजना है आदि मैजेस कर मुझे आये दिन परेशान करता है।डॉ.हेमा बघेल में इसके प्रुफ के तौर पर स्क्रीन शार्ट होना भी बताया है।उन्होंने बताया की दिनांक 28.10.24 के रात करीबन 08 बजे मै जितेन्द्र कुशवाह सब्जी मंडी दबोह के पास सतोष कौरव के मकान में मेरी प्राईवेट लैब है बैठे थे तभी पियूष बिरथरिया पिता अमृतलाल बिरथरिया निवासी दबोह आया और मुझसे बोला कि मैं समाचार नेटवर्क 10 लहार दबोह का पत्रकार हूँ धनतेरस एवं दीपावली त्यौहार में आपको हमारे समाचार पत्र में करीबन 10 हजार रु. का विज्ञापन देना पड़ेगा फिर में अपनी लैब से बाहर आई और मैने पियुष बिरथरिया से कहा कि मैं कोई विज्ञापन नहीं निकलवाना चाहती हूँ।इसी बात के उपर से पियूष बिरथरिया बोला अगर आपने मुझे विज्ञापन नहीं दिया तो मैं आपके खिलाफ अपमानजनक लेख लिखूंगा तथा वह मुझे मां बहिन की अश्लील गालियां देने लगा जो मुझे सुनने में बहुत बुरी लग रही थी जब मैने पियूष बिरथरिया को गाली देने से मना किया तो पियूष बिरथरिया मुझसे बोला कि कल से आप यहां रह नहीं पाओगी और यहां से बाहर नहीं निकाल पाओगी फिर मुझे जान से मारने की धमकी देता हुआ चला गया।घटना जितेन्द्र कुशवाह ने देखी है।फिलहाल तो महिला डॉक्टर की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है अब आगे देखना है कि क्या कार्यवाही होती है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं किसान कांग्रेस के प्रदेश सचिव धर्मेंद्र यादव उर्फ बाबा ने ली जूता चप्पल ना पहनने की प्रतिज्ञा

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

भिंड। मौ कांग्रेस के नेता धर्मेंद्र बाबा प्रदेश सचिव किसान कांग्रेस मध्य प्रदेश ने धनतेरस एवं दीपावली के शुभ अवसर पर जूता चप्पल एवं सैंडल ना पहनने की प्रतिज्ञा ली जब तक मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार नहीं बनेगी जब तक जूता चप्पल एवं सैंडल का त्याग करेंगे जिस दिन मध्य प्रदेश में कांग्रेस सरकार का मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण करेगा उसी दिन हम जूता चप्पल ग्रहण करेंगे ऐसी प्रतिज्ञा आज एक मौ नगर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता धर्मेंद्र बाबा ने प्रतिज्ञा ली।

शिवाजी पब्लिक स्कूल संचालक ने छात्रों को बांटे उपहार, बच्चों के चेहरे खिले

दैनिक पुष्पांजली टुडे मालनपुर

मालनपुर/मालनपुर के समीप संचालित शिवाजी पब्लिक स्कूल संचालक दिनेश सिंह परिहार उर्फ बंटू कुछ ना कुछ अनोखा कर सुराखियों में रहते है ,दिवाली के मौके पर हर साल वह विद्यालय के छात्रों शिक्षकों एवं कर्मचारियों को तोहफे बांटते हैं। दीपोत्सव पर्व पर उन्होंने इस वार विद्यालय में अध्ययन करीब 700 से ज्यादा छात्रों करीब एक दर्जन से ज्यादा शिक्षक एवं कर्मचारियों को दिल खुश कर देने वाला तोहफा दिया है। उन्होंने इस वर्ष छात्रों को सर्दी के मौसम को देखते हुए कंबल उपहार स्वरूप दिए उन्होंने छात्रों को मिठाई फुलझड़ी और पटाखे भी वितरित किए उपहार पाकर बच्चे बहुत ही खुश हुए द्यउन्होंने दीपावली त्योहार पर विद्यालय में पदस्थ शिक्षकों को भी बोनस देते हुए महंगे महंगे उपहार दिए इस अवसर पर उन्होंने बंटू ढाबा पर कार्यरत कर्मचारियों को भी उपहार बांटे द्य संचालक ने छात्रों से कहा कि आप सभी लोग दीपोत्सव पर्व को प्रेम पूर्वक भाईचारे के साथ मनाएं, पटाखों का बाजार सजने लगा है। आप लोगों में पटाखों को लेकर काफी उत्साह देखने को मिलता है। लेकिन क्या आपको पता है कि कुछ भारी पटाखे आपके के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं? इस लिए जब भी आप पटाखे खरीदने के लिए बाजार जाएं तो ये ध्यान में रखें कि आपकी हेल्थ के लिए कौन सा पटाखा सही है और कौन सा नहीं। क्योंकि कुछ पटाखे मंहगे होने के साथ ही घातक भी हो सकते हैं। कुछ पटाखे ऐसे हैं जो प्रदूषण छोड़ते हैं और तेज आवाज करते हैं जो हमारे लिए नुकसानदेह है ऐसे पटाखे ना फोड़े आप सभी बच्चे त्योहार पर छुट्टियों का आनंद लें घर में रहकर परिवार के साथ मिलकर त्योहार मनाए उन्होंने सभी छात्रों को दीपावली के महत्व को समझाया अंत में उन्होंने कहा कि आप स्वस्थ रहें मस्त रहें में यही कामना करता हूं।

खरगोन जिले के समस्त पुलिसकर्मियों ने राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य मे ली शपथ

राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से ली गई शपथ, सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाता है राष्ट्रीय एकता दिवस

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

दिनांक 29.10.2024 को जिला खरगोन मुख्यालय के कार्यालयों, अनुभाग के कार्यालयों, पुलिस थानों एवं चौकियों पर राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया है । उक्त शपथ समारोह मे पुलिस अधीक्षक कार्यालय खरगोन मे श्री धर्मराज मीना के निर्देशन मे कार्यालय मे कार्यरत समस्त पुलिसकर्मियों को राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से शपथ दिलाई गई जिसमे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) खरगोन श्री मनोहर बारिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) खरगोन श्री तरुणेन्द्रसिंह बघेल भी मौजूद रहे । इसी क्रम मे जिले के समस्त अनुभाग के कार्यालयों, पुलिस थानों एवं चौकियों पर भी पदस्थ पुलिसकर्मियों ने सामूहिक रूप से सम्मिलित होकर शपथ समारोह का आयोजन कर देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने व उसमे योगदान करने की शपथ ग्रहण की गई ।

कलेक्टर ने दिया लोकल फॉर वोकल का संदेश

स्व सहायता समूह की दीदियों से खरीदी 1760 की सामग्री

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने 29 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय में स्व सहायता समूह द्वारा बनाई गई सामग्री खरीदी और आमजनों को भी सामग्री खरीदने का संदेश दिया गया। इस दौरान उन्होंने स्व सहायता समूह की दीदियों से उनके बनाएं दीये, बर्तन, अचार, मूर्ति सहित अन्य सजावटी सामग्री 1760 रुपये की खरीदी। उन्होंने दीपावली पर्व के मौके पर जिले वासियों से आग्रह किया है कि भारत की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने एवं आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर कराने के उद्देश्य से सभी को स्थानीय कारीगरों द्वारा निर्मित सामग्री खरीदनी चाहिए। आजीविका मिशन से जुड़े ग्राम जामली, दयालपुरा और बरूड़ के स्व सहायता समूह की महिलाएं उनके समूह द्वारा निर्मित सामग्री लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंची थी। उन्होंने कलेक्टर श्री शर्मा को दीपावली त्योहार में उपयोग होने वाली सामग्री दिखाई। कलेक्टर श्री शर्मा को यह सामग्री बहुत पसंद आयी और वे भी इसे खरीदने का लोभ नहीं छोड़ पाये। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह, महिला एवं बाल विकास विभाग की सहायक संचालक सुश्री मोनिका बघेल सहित स्व सहायता समूह की दीदियां उपस्थित थी।

जिले वासियों को कलेक्टर ने दी दीपावली की शुभकामनाएं

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने खरगोन जिले के वासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी है। अपने संदेश में उन्होंने कहा है कि दीपावली का पर्व अंधेरे से उजाले की ओर जाने का संदेश देता है। यह बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व है। अतः यह पर्व हम सब मिलकर आपसी सद्भाव, भाईचारा एवं शांति के साथ मनाएं। इस त्योहार के दौरान फटाखे एवं दीये जलाने के दौरान पूरी सुरक्षा और सावधानी बरते। जिससे किसी भी तरह की दुर्घटना न हो।

सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती (राष्ट्रीय एकता दिवस) के अवसर पर रन फॉर यूनिटी सम्पन्न

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारत सरकार एवं म.प्र. शासन, के निर्देशानुसार जिला प्रशासन, जिला पुलिस बल एवं खेल और युवा कल्याण विभाग भिण्ड द्वारा कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव के मार्गदर्शन में सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती (राष्ट्रीय एकता दिवस) के अवसर पर राजीव गांधी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, भिण्ड में एकता दिवस के रूप में मनाया गया। सर्व प्रथम कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों के द्वारा सरदार बल्लभ भाई पटेल के जीवन एवं उनके द्वारा किये कार्यो से उपस्थित खिलाडियों एवं आम जनता को अवगत कराया गया और उपस्थित जनसमूह को एकता की शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के पश्चात् सभी लोगों ने रन फॉर यूनिटी' में भाग लिया दौड राजीव गांधी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, भिण्ड से सिटी कोतवाली भिण्ड आयोजित की गई दौड को झंडी रक्षित निरीक्षक अरविंद सिकरवार के द्वारा दिखाकर रवाना किया गया जिसमें क्रमशः सौरभ ने प्रथम, उदयवीरसिंह ने द्वितीय तथा राहुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दौड के पश्चात् सभी लोगों के द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी की उपस्थिति में भोपाल में

आयोजित मुख्य समारोह का लाईव टेलीकास्ट देखा गया।

कार्यक्रम में खेल और युवा कल्याण विभाग भिण्ड के प्रभारी रामबाबू कुशवाह एवं अन्य कर्मचारियों में बृजबाला यादव,संजय पंकज, साधना तोमर,नीरजसिंह बघेल, अनिल श्रीवास,प्रमोद गुप्ता, बादशाहसिंह गुर्जर,शिवशंकर रावत, जिला पुलिस बल से सूबेदार आदित्य मिश्रा,प्रधान आर.रामकुमार पाण्ड्ेय एवं अन्य पुलिस के अधिकारी तथा कर्मचारी एवं खेलों से जुडे शिवम तोमर तथा मुनेन्द्र शाक्य इत्यादि ने उपस्थित होकर कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

खरगोन पुलिस ने किया मोटरसाइकल चोरी का खुलासा

02 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, आरोपियों के कब्जे से चोरी की 04 मोटरसाइकल जप्त, पुलिस द्वारा जप्त मश्रुका कुल कीमत लगभग 02 लाख रुपये

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना द्वारा जिला खरगोन में हो रही चोरी एवं लूट की घटनाओं पर अंकुश लगाकर अज्ञात आरोपियों की पतारसी व शीघ्र से शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु निर्देश दिये गये थे । पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) खरगोन श्री मनोहर बारिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) खरगोन श्री तरुणेन्द्रसिंह बघेल के मार्गदर्शन मे समस्त अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) एवं समस्त थाना प्रभारीयों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था । इसी तारतम्य मे थाना बेड़िया पर मोटर साइकिल चोरी करने वालों के विरुध्द कार्यवाही की गई है ।

घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 29.10.24 को पुलिस थाना बेड़िया पर मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, 02 संदिग्ध व्यक्ति ग्राम दाभड बैडी फाटे के पास घूम रहे है जिनकी गतिविधियां संदिग्ध है एवं उनके पास चोरी की मोटरसाइकल भी है । मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम को तत्काल ग्राम दाभड बैडी फाटे के लिए रवाना किया गया जिसमे पुलिस टीम को मुखबिर के बताए हुलिये के 02 व्यक्ति अलग-अलग मोटरसाइकल पर आते दिखाई दिए जो पुलिस टीम को देख कर भागने लगे । पुलिस टीम के द्वारा दोनों व्यक्तियों को पीछा कर

घेराबंदी कर पक?ा, पुलिस टीम ने दोनों व्यक्तियों से उनका नाम पता पूछने पर उन्होंने अपना नाम बबलु व दूसरे ने अपना नाम रवि होना बताया । पुलिस टीम के द्वारा दोनों मोटरसाइकलों को चेक करने पर बबलु के द्वारा चलाई जा रही मोटरसाइकल क्रमांक स्क्का0ष्ट1341 के दस्तावेज मांगने पर कोई दस्तावेज नहीं होना बताया गया जिसे पुलिस रिकार्ड मे चेक करने पर मोटरसाइकल मिर्ची मंडी से चोरी होना पाया गया जिसपर पूर्व से अपराध क्रमांक 234/24 धारा 303(2) बीएनएस का पंजीबद्ध होकर विवेचना मे था । इसी प्रकार रवि की मोटरसाइकल को चेक करने पर यह मोटरसाइकल क्रमांक स्क्का0स्न्न2420 भी थाना कोतवाली खरगोन क्षेत्र मे विराज अस्पताल के सामने से चोरी की होना पाई गई जिसमे थाना कोतवाली खरगोन पर अपराध क्रमांक 497/24 धारा 303(2) बीएनएस का पंजीबद्ध होकर विवेचना मे होना पाया गया । बबलु एवं रवि की तलाशी लेने पर रवि के पास 01 देशी पिस्टल भी पाई गई । पुलिस टीम के द्वारा दोनों मोटरसाइकलों के बारे मे पूछने पर बबलु एवं रवि ने दोनों ने उक्त दोनों मोटरसाइकले मिलकर चोरी करना स्वीकार किया । पुलिस टीम ने दोनों से अन्य चोरी की मोटरसाइकलो के बारे मे पूछने पर दोनों ने अन्य 02 मोटरसाइकल मिर्ची मंडी के पास नाले मे और 02 अन्य मोटरसाइकल छुपाई होना बताया गया जिसपर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने आरोपियों की निशनदेशी पर 02 अन्य मोटरसाइकलो को विधिवत जप्त की गई है । पुलिस टीम के द्वारा आरोपीयो को माननीय न्यायालय पेश कर पुलिस रिमान्ड प्राप्त कर अन्य चोरी की मोटर साइकल के बारे मे पूछताछ की जाएगी । रवि से तलाशी मे मिली पिस्टल के आधार पर अपराध मे धारा 25ए आर्म्स एक्ट की धारा का भी ईजाफा किया गया ।

गिरफ्तार आरोपीयो के नाम

1.बबलु पिता धनसिंग उम्र 22 वर्ष निवासी डेहरिया थाना चैनपुर
2.रवि पिता सालकराम दवाने उम्र 36 वर्ष निवासी रमाबाई नगर बंगाली चौराहा इन्दौर

पुलिस टीम

उक्त की गई कार्यवाही मे अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग ब?वाह श्रीमति अर्चना रावत के मार्गदर्शन व थाना प्रभारी बे?िया उनि. धर्मेन्द्र यादव के नेतृत्व मे उनि. हरिप्रसाद पाल, प्र.आर. 667 निहालसिंह, आर. 850 राजीवसिंह, आर. 643 कैलाश का विशेष योगदान रहा ।

बच्चों ने नृत्य करके दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

मंत्रालय। चिगरू सांस्कृतिक चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा परिमा नाट्य समर्पण कार्यक्रम का आयोजन मंत्रालय में किया गया। कार्यक्रम में कर्नाटक राज्य के विभिन्न जिलों से बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयंती ने की। कार्यक्रम का उद्घाटन मठ के प्रमुख आचार्य ने किया. कार्यक्रम में श्रीमती भुवना गौड़ा गेजेना की नृत्य मंदिर मंडली के बच्चों ने राया के गीतों पर शानदार नृत्य किया। उनकी गौरवशाली छात्रा कुमारी पवित्रा और कुमारी पुष्पा एम टीम के नृत्य प्रदर्शन ने दर्शकों को प्रभावित किया। विश्व दीपा नाट्यालय की दीपा एम निर्देशित बाल मंडली ने राया के कीर्तन पर नृत्य कर सेवा की। कुमारी रश्मी की टीम का भजन अद्भुत रहा। लास्य तांडव नाट्यालय की छात्रा अनुषा एम, नाट्यमयूरी कलाकेंद्र के हंसवेणु, अक्षता मोहन, दीप्ति भट्ट वाग्देवी नाट्यालय, कलानुभव अकादमी की पूजा रंजीत कुमार, विदुषी ओजिस्विनी, विदुषी माणिक्यदेवी के नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विदुषी सुषमा की मंडली का बच्चों का नागिन नृत्य %माई झूम% था, जबकि नृत्यश्री साई अकादमी की श्रीमती संध्या अशोक का बच्चों का नृत्य मंत्रमुग्ध कर देने वाला था। नृत्य इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स की वीणा कृष्णा के निर्देशन में बच्चों का नृत्य अद्भुत था. कार्यक्रम में प्रभा महिंद्रा और डिलाइट्स स्टूडियो के बच्चों ने भी नृत्य किया और रॉय को नृत्य सेवा प्रदान की। शो में विशेष रूप से जिवित आर गौड़ा के बाबा शंकर नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पुतानी के पूजया राघवेंद्राय सत्य धर्म मृत्यच नृत्य ने माता-पिता और अभिभावकों को आनंदित कर दिया। लगभग 258 बच्चों ने राया की नृत्य अर्चना की, जबकि 20 से अधिक प्रसिद्ध नाट्य विदुषियों ने नाट्यआराधना की। पूरे कार्यक्रम के प्रभारी प्रशांत नायका ने बच्चों के नृत्य एवं नृत्य निर्देशक के प्रयासों की सराहना की।

कमिश्नर ने की जन सुनवाई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने कमिश्नर कार्यालय में आमजनता के आवेदन पत्रों में जन सुनवाई की। उन्होंने वन विभाग से संबंधित आवेदक के प्रकरण पर वन मण्डलाधिकारी को कार्यवाही के निर्देश दिए। कमिश्नर ने सेवानिवृत्त कर्मचारी के पेंशन प्रकरण का सात दिवस में निराकरण करने के निर्देश अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा को दिए। जन सुनवाई में खाद्यान्न वितरण, जमीन के सीमांकन, उपचार सहायता सहित विभिन्न आवेदनों में सुनवाई की गई। जन सुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादक की कलम से

बहुत खास हैं खरगे के 2 साल

सामान्यतः किसी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मेयर आदि के कार्यकाल की वर्षगांठ को देखने के तो लोग आदी हैं परन्तु यदि किसी राजनीतिक संगठन का प्रमुख बनने के दो साल पूरा करने पर दल के कार्यकताओं और जनसाधारण में खुशी हो तो मानकर चलना चाहिये इसके पीछे कोई खास वजह तो होगी ही, ऐसा व्यक्ति भी कुछ विशेष ही होना चाहिये। देश की सबसे पुरानी और स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाली कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में दो वर्ष पूरा करने पर यदि सभी एक स्वर से मल्लिकार्जुन खरगे को बधाइयां दे रहे हैं तो वह सिर्फ सांगठनिक शिष्टाचार के बदौलत नहीं वरन यह इस दौरान उनकी निभाई भूमिका एवं नेतृत्व कौशल की सराहना के रूप में कहा जा रहा है।

जिस पार्टी के नेताओं एवं कार्यकताओं ने शनिवार को कतारबद्ध होकर खरगे को बधाइयां दीं, उस दल ने अपने 140 वर्षों के प्रदीर्घ इतिहास में अनेक महान अध्यक्षों को देखा है, और उनके नेतृत्व में न केवल देश को औपनिवेशिक गुलामी से आजाद कराया है बल्कि देश को फर्श से अर्श तक पहुंचाया है। अलग-अलग परिस्थितियों में कांग्रेस के विभिन्न अध्यक्षों ने पार्टी की सेवा की है। फिर भी पिछले कई वर्षों से ऐसा कोई वाकया याद नहीं पड़ता कि किसी का एक या दो साल पूरा होना यूं मनाया गया हो।

संगठन ने पार्टी के सबसे वयोवृद्ध परन्तु किसी भी युवा नेता की बराबरी की सक्रियता के साथ पार्टी की कमान सम्हालने वाले खरगे के ये दो वर्ष अनेक मायनों में महत्वपूर्ण रहे हैं, जिस दौरान उनकी भूमिका उतनी ही रेखांकित किये जाने के योग्य है। पार्टी में आंतरिक चुनाव के जरिये शशि थरूर को हराकर खरगे 26 अक्टूबर 2022 को इस पद पर आसीन हुए थे। जब खरगे ने कांग्रेसाध्यक्ष का पद सम्हाला था, उसके करीब डेढ़ माह पहले राहुल गांधी अपनी ऐतिहासिक भारत जोड़ो यात्रा प्रारम्भ कर चुके थे। 7 सितम्बर, 2022 को कन्याकुमारी से निकलकर 30 जनवरी 2023 को श्रीनगर में पहुंचकर समाप्त हुए इस पैदल मार्च का आयोजन करने वाले संगठन के कार्यकताओं को ऐसा अध्यक्ष चाहिये था जो चाहे राहुल की तरह 3600 किलोमीटर पैदल न चले (जो सबके बस की बात भी नहीं है), परन्तु एक समानातंर ऊर्जा के साथ संगठन को नेतृत्व प्रदान कर सके।

शशि थरूर की सवर्ण पारिवारिक पृष्ठभूमि एवं अभिजात्य जीवन शैली के ठीक विपरीत एक बहुत ही कष्टप्रद सामाजिक व्यवस्था को पराजित कर पार्टी के शीर्ष नेताओं की कतार में बैठने के पीछे खरगे का छह दशकों से अधिक का समर्पण एवं कर्मठता थी। इस दौरान कांग्रेस के तमाम उतार-चढ़ावों में पार्टी नेतृत्व के साथ पूरी निष्ठा के साथ खड़े रहने वाले खरगे का जब निर्वाचन हुआ तो कई आश्चर्यचकित थे, तो कई निराश।

अधिकतर यह भी मानकर चल रहे थे कि वे शायद ही लम्बे समय तक इस पद पर बने रहेंगे और देर-सबेर गांधी परिवार के ही किसी सदस्य (पहले के कुछ दृष्टांतों के अनुरूप) को इस पद को सम्हालने के लिये आगे बढ़ना पड़ेगा। यह वह वक्त था जब अपनी क्षमता तथा उपलब्ध शक्ति के अनुरूप पार्टी को चलाने के बाद स्वास्थ्यगत कारणों से सोनिया गांधी यह पद छोड़ने की इच्छा जता चुकी थी और दूसरी पसंद राहुल दोबारा अध्यक्ष पद सम्हालना नहीं चाहते थे। वे पहले यह पद 2019 में छोड़ चुके थे जब उनका दल लोकसभा में ऐतिहासिक गिरावट के साथ केवल 44 सीटें पाकर सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के नियमित मखौल का पात्र बनकर रह गया था। अध्यक्ष पद के लिये गांधी परिवार की पसंद खरगे ही थे। उन्होंने कांग्रेस तथा देश को निराश नहीं किया।

यही वह कालखंड था जब कांग्रेस बाहरी हमलों के अलावा भीतरघात से भी बेतरह जूझ रही थी। 'ऑपरेशन लोटस' के तहत कांग्रेस के सैकड़ों नेता, विधायक, सांसद आदि पैसे की लालच में या जांच एजेंसियों के डर से भाजपा में समाते जा रहे थे। पार्टी के भीतर 'जी 23' जैसी कारगुजारियां हो रही थीं जो पार्टी की भीतरी दीवारों को कमजोर करती चली गयीं। ऐसा नहीं कि यह सिलसिला अब थम गया हो। इन तूफानी झटकों के बीच पार्टी रूपी जहाज के मस्तूल को खरगे ने मजबूती से थामे रखा। लोगों को अपने सिद्धातों के प्रति अडिग रहने की प्रेरणा दी। उन्हें लड़ना सिखाया और कांग्रेस को नया कलेवर चढ़ाने में राहुल को किसी अभिभावक या अध्यक्ष से भी बढ़कर सहयोगी के रूप में मदद की। आज वे दल के तमाम तरह के भीतरी मतभेदों, अंतर्विरोधों एवं प्रतिस्पधाओं को खत्म कर उसे मजबूती देने का काम कर रहे हैं। राहुल का प्रभाव तो अपनी जगह पर है ही, यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि लगातार छीजती, बार-बार पराजित होती कांग्रेस को तेलंगाना, कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर आदि राज्यों के विधानसभा चुनावों में जो जीतें हासिल हुई हैं उनमें खरगे का बड़ा हिस्सा है।

2019 के मुकाबले 18वीं लोकसभा में अपनी ताकत को दुगना करने के लिये 80 के पार चल रहे खरगे ने स्वयं को जो झोंका वह सबको चकित करने के लिये काफी था। पार्टी के लिये धूप, ठंड व बरसातें झेलते खरगे अपने आप में उदाहरण बन गये हैं।

राहुल ने पिछले दो वर्षों में मोदी की नीतियों के खिलाफ साहसिक विमर्श गढ़कर उसे चुनावी मद्दा बनाया जिसके कारण वे प्रतिपक्षी गठबन्धन के सर्वमान्य नेता बने, तो वहीं अपने संगठन को फिर से अपने पांवों पर खड़ाकर खरगे ने कांग्रेस को इस गठबन्धन का नेतृत्व करने का हकदार बनाया। सामाजिक न्याय, लोकतंत्र एवं संविधान को बहस के केन्द्र में लाने वाले कांग्रेस का प्रतिनिधि चेहरा खरगे हैं-सर्वमान्य एवं सम्मानित।

बंटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं, सच्चाई है

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह एवं महासचिव श्री दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समुदाय को जाति और विचारधारा के आधार पर विभाजित करने के प्रयासों के खिलाफ लोगों को आगाह करते हुए समाज और लोक कल्याण के लिए हिंदू एकता के महत्व पर भी जोर दिया है। अपने को बचाये रखने एवं दूसरों के मंगल के लिये हिन्दू एकता वर्तमान की बड़ी अपेक्षा है, इसलिये उन्होंने अपना विस्तृत दृष्टिकोण पेश करते हुए न केवल हिन्दू शब्द का विरोध करने वालों पर करारा प्रहार किया है, बल्कि देश में अराजकता का माहौल पैदा करने वाले मुस्लिम संगठनों पर भी सीधी चोट की है। विशेषतः नफरती एवं विघटनकारी सोच के लिये राहुल गांधी पर भी कड़ा प्रहार किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटोगे तो कटोगे बयान का समर्थन करते हुए कहा कि वर्तमान हालात में हिन्दू एकता बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि कई जगहों पर धर्मांतरण की घटनाएं हो रही हैं। गणेश पूजा और दुर्गा पूजा के दौरान कुछ स्थानों पर हिन्दुओं पर हमले हुए हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर तरह-तरह के अत्याचार हो रहे हैं। हिन्दुओं पर लगातार हो रहे हमलों एवं उन्हें विभाजित किये जाने की साजिशों को नियंत्रित करने के लिये हिन्दू को संगठित होना ही चाहिए। दत्तात्रेय ने जहां हिन्दुओं को जगाया वहीं राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी, विपक्ष विशेषतः कांग्रेस की हिन्दू विरोधी सोच का पदार्पाश किया।

श्री होसबोले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में हिन्दू समाज को जाति, भाषा एवं प्रांत के भेद में बांटने के विपक्षी दलों के प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि हम बंटेंगे तो निश्चित रूप से कटेंगे, इसलिये हिन्दू समाज में एकता आवश्यक है। उन्होंने इसे जीवन मंत्र जैसा बताया। दिया। उन्होंने देश के सामने कुछ ऐसी बड़ी चुनौतियों को भी रेखांकित किया, जिसे लेकर राजनीतिक दलों एवं साम्प्रदायिक संगठनों की भृकुटि कुछ तन गई है। मथुरा स्थित गऊ ग्राम परखम के दीनदयाल उपाध्याय गौ विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र में आयोजित 25 और 26 अक्टूबर 2024 की इस बैठक में संघ के सभी 46 प्रांतों के प्रांत एवं सह प्रांत संघचालक, कार्यवाह तथा प्रचारकों ने हिस्सा लिया। योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान एक रैली में हिंदुओं को जातियों में बांटने की विपक्षी दलों की रणनीति के प्रति आगाह करते हुए कहा था कि विपक्ष चाहता है कि मुसलमान एकजुट होकर ताकतवर और हिंदू जातियों में विभाजित होकर कमजोर बने रहें। योगी आदित्यनाथ ने पड़ोसी देश में मुसलमानों के हाथों बेगुनाह हिंदुओं के मारे जाने का हवाला देकर कहा था कि बंटेंगे तो कटेंगे। इस बयान की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की, हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अलग-अलग तरह से इस संदेश को आगे बढ़ाया है। इसी कड़ी में सरकार्यवाह होसबाले हिन्दू एकता एवं संगठन की आवश्यकता व्यक्त की।

सरकार्यवाह होसबोले एक सक्रिय, साहसी, चिन्तनशील, राष्ट्रयोद्धा, समाजसुधारक और बदलाव लाने वाले संघ नेता हैं। वे देशहित में अच्छी रचनात्मक एवं सृजनात्मक बातें करते हैं, बदलाव चाहते हैं, राष्ट्र को तोड़ना नहीं जोड़ना चाहते हैं, अच्छी बात यह भी है कि संघ एक जागरूक संगठन है और हर समस्या पर अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। हर व्यक्ति के दिमाग में एक समस्या है और हर व्यक्ति के दिमाग में एक समाधान है। एक समस्या को सब अपनी समस्या समझे और एक का समाधान सबके काम आए। समाधान के अभाव में बढ़ती हुई समस्या संक्रामक बीमारी का रूप न ले सके, इस दृष्टि से आज का समाधान आज प्रस्तुत करने के लिए आरएसएस निरन्तर जागरूक रहता है। इसीलिये हिन्दू एकता के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों की परेशानियों को लेकर भारत सरकार ने कदम उठाए हैं। दुनिया में कहीं भी किसी भी हिंदू को अगर कोई परेशानी होती है तो वह मदद के लिए भारत की तरफ ही देखता है। देश एवं दुनिया में हिन्दुओं से जुड़ी परेशानियों एवं समाधान की दृष्टि से एक सशक्त वातावरण बनना अपेक्षित है। होसबाले ने ऐसी ही जटिल होती समस्याओं में लव जिहाद का मुद्दा भी उठाया और कहा कि लव जिहाद से समाज में समस्या हो रही है। उन्होंने कहा, लड़कियों को लव जिहाद के प्रति जागरूक करें। हमारे समाज की बहन-बेटियों को बचाना हमारा काम है। उन्होंने दावा किया कि केरल में 200 लड़कियों को लव जिहाद से बचाया गया है। ध्यान रहे कि अभी राजधानी दिल्ली के नांगलोई इलाके में मुस्लिम लड़के सलीम ने खुद को संजू बताकर हिंदू लड़की सोनिया को प्यार के जाल में फंसाया। सलीम ने सोनिया के साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसे गर्भवती कर दिया। सोनिया ने जब शादी दबाव बनाया तो सलीम ने दो दोस्तों के साथ उसकी हत्या कर दी और शव को हरियाणा में अपने ननिहाल के गांव में एक खेत में गाड़ दिया।

निश्चित रूप से बंटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं बल्कि सदियों की सच्चाई है। जब-जब हिन्दू कमजोर हुआ है, तब तब उस पर अत्याचार बढ़े हैं, उनका सफाया कर दिया गया है। कश्मीर में हिंदुओं ने ताकत नहीं दिखाई तो उनका नरसंहार हुआ। लाहौर की 75 प्रतिशत आबादी हिंदुओं और सिखों की थी, कराची में हिंदू, सिंधी और हिंदू पंजाबी जनसंख्या के दो तिहाई थे, काबुल में 1950 तक एक तिहाई हिंदू-सिख थे, रंगून में एक तिहाई आबादी हिंदुओं की थी, सभी जगहों पर आज हिंदुओं-सिखों का सफाया हो गया। इसीलिये सरकार्यवाह होसबोले की दृष्टि में बंटने के प्रति सचेत करने का मतलब अनेकता में एकता का मंत्र है। हम जाति, वर्ग में भले अनेक हों, लेकिन इस आधार पर हम बंटे नहीं बल्कि एकजुट रहें। बांग्लादेश के संदर्भ में भारत सरकार ने वहां हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। संघ ने उस समय भी कहा था कि हिंदू समुदाय को वहीं रहना चाहिए और पलायन नहीं करना चाहिए।

संघ की नजरों में धर्मांतरण और हिन्दुओं को विभाजित करने से हिन्दू जनसंख्या का संतुलन बिगड़ा है और वे अल्पसंख्यक होते गये हैं। इस मायने में होसबोले का उद्बोधन कोई स्वप्न नहीं, जो कभी पूरा नहीं होता। यह तो हिन्दुओं को सशक्त एवं विकसित बनाने के लिए ताजी हवा की खिड़की है। यह सामाजिक समरसता का भी जीवनमंत्र है। संघ इस संवाद को कायम रखेगा क्योंकि समाज को तोड़ने के लिए बहुत सी कोशिशें हो रही हैं, विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के लिये हिन्दू समुदाय को तोड़ने एवं विभाजित करने के लिये तरह-तरह के षडयंत्र कर रहे हैं। एक बार फिर संघ ने राजनीति से परे जाकर देश को जोड़ने, सशक्त बनाने एवं नया भारत निर्मित करने का सन्देश दिया है और इस सन्देश को जिस तरह आकार दिया जाना है, उसका दिशा-निर्देश भी दिया गया है।

आरएसएस महासचिव ने कहा, महात्मा गांधी ने भी स्वराज्य का मंत्र दिया था। स्व का मतलब है स्वाधीनता, राष्ट्रीय स्वत्व। यहां हिन्दुओं को अपनी परंपरा, अपनी सभ्यता, उसके अनुभवों के साथ व्यवहार करना है, आधुनिकता का पालन करना है, आधुनिकता में भी स्व को नहीं भूलना है। इस स्व को जीवंतता देकर ही हिन्दू समाज टूटने एवं बिखरने से बच सकता है। किसी भी समाज में बिखराव की स्थिति होती है तो उसकी क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं हो सकता। उपयोग के लिए क्षमताओं को केन्द्रित करना जरूरी है। समाज का हर व्यक्ति अपने आप में एक शक्ति है। इस शक्ति को काम में लेने से पहले उसे एकात्ममुख करना जरूरी है। होसबोले के आह्वान का हार्द हिन्दुओं को सशक्त बनाते हुए राष्ट्र को नयी शक्ल देने का है। वास्तव में यदि हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के अपने सपने को साकार करना चाहते हैं तो हमें अपनी सोच और अपने तौर-तरीके बदलने होंगे। जब होसबोले देश को बदलने और आगे ले जाने के लिए संकल्प व्यक्त कर रहे हैं तो फिर हिन्दुओं का भी यह दायित्व बनता है कि वह अपने हिस्से के संकल्प ले, संगठित हो।

प्रेषक:
(ललित गर्ग)
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट 25 आई॰ पी॰ एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92
फोन: 22727486, 9811051133

अखिलेश यादव की चमक 2024 के लोकसभा चुनाव से भी ज्यादा

- डॉ. ज्ञान पाठक

भाजपा के लिए समस्या यह है कि भाजपा के भीतर योगी आदित्यनाथ के विरोधी अभी भी सक्रिय हैं, क्योंकि वे इन उपचुनावों को उत्तर प्रदेश और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व में योगी की राजनीतिक हैसियत को कम करने के अवसर के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, अगर योगी चार सीटों को बरकरार रखने में सफल हो जाते हैं और आरएलडी को एकमात्र सीट जीतने में मदद करते हैं, तो वह भाजपा में एक अप्रतिरोध्य ताकत के रूप में फिर से उभरेंगे और भविष्य के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पीएम नरेंद्र मोदी के प्रभाव के लिए खतरा बन जायेंगे।

उत्तर प्रदेश में सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों के लिए एनडीए और इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवारों की घोषणा के साथ, अब चुनावी रणभूमि में मुख्य प्रतियोगियों को देखा जा सकता है, और उनकी संबंधित ताकत और कमजोरियों का आकलन भी किया जा सकता है, जिसकी सफलता या विफलता योगी आदित्यनाथ के भाग्य का फैसला कर सकती है - उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में, और साथ ही भाजपा के भावी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में भी।

लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को मिली अपमानजनक हार के बाद, योगी आदित्यनाथ को प्रदेश भाजपा के कुछ प्रमुख नेताओं से विद्रोह का सामना करना पड़ रहा है, जो विफलता के लिए उन्हें बलि का बकरा बनाने की मांग कर रहे थे। हालांकि, योगी आदित्यनाथ ने उन पर अपना प्रभुत्व साबित कर दिया, जिन्हें अप्रत्यक्ष रूप से कुछ केंद्रीय भाजपा नेताओं का समर्थन प्राप्त था। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने तब कहा था कि उपचुनाव खत्म होने तक 'कोई बदलाव' नहीं किया जायेगा। उन्होंने वास्तव में केंद्रीय भाजपा की मंशा को ही उजागर दिया था कि अगर योगी आदित्यनाथ को उम्मीदवारों का चयन करने और अपने तरीके से प्रचार करने की खुली छूट दी जाये तो यह स्पष्ट होगा कि वे उपचुनावों में क्या कर सकते हैं और तब उनकी ताकत का अंदाजा लग जायेगा।

यह भी याद रखने लायक है कि योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा की हार के लिए 'पार्टी नेताओं के अति आत्मविश्वास' और 'अलोकप्रिय उम्मीदवारों को बार-बार खड़ा करने' को जिम्मेदार ठहराया था। पहला आरोप राज्य भाजपा में उनके विरोधी समूह पर लक्षित था, और दूसरा आरोप केंद्रीय भाजपा नेतृत्व पर लक्षित था।

अब उपचुनाव आ गये हैं, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चुनाव प्रचार के प्रबंधन और पार्टी टिकट देने में पूरी छूट दे दी गयी है। इसलिए 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव का परिणाम योगी आदित्यनाथ के राजनीतिक भाग्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा।

भाजपा 9 में से 8 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि एक सीट एनडीए की सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) को दी गयी है। कुंदरकी से रामवीर सिंह ठाकुर, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, खैर (एससी) से सुरेंद्र दिलेर, करहल से अनुजेश यादव, फूलपुर से दीपक पटेल, कटेहरी से धर्मराज निषाद, मझवां से सुचिस्मिता मौर्य और सीसामऊ से सुरेश अवस्थी को टिकट दिया गया है।

इनमें से फूलपुर, गाजियाबाद और खैर पर भाजपा ने 2022 के चुनाव में जीत दर्ज की थी, जबकि मझवां पर एनडीए की सहयोगी निषाद पार्टी ने जीत दर्ज की थी। चूंकि भाजपा इन सीटों पर चुनाव लड़ रही है, इसलिए पार्टी इन सीटों को बरकरार रखने के लिए समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों की कड़ी टक्कर का सामना कर रही है।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव 2024 के लोकसभा चुनाव से ही उभरते सितारे हैं, इन सीटों पर भी उनके कार्यकताओं का मनोबल काफी ऊंचा दिख रहा है, जो इन सीटों को भाजपा से छीनने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

एनडीए में भाजपा की सहयोगी रालोद की बात करें तो उसने मीरापुर से मिथिलेश पाल को मैदान में उतारा है। 2022 के विधानसभा आम चुनाव में भी रालोद ने इस विधानसभा सीट पर जीत दर्ज की थी। यह सीट मौजूदा विधायक चंदन चौहान के लोकसभा में निर्वाचित होने के बाद खाली हुई थी। मीरापुर ही नहीं, बल्कि 13 नवंबर को जिन 8 विधानसभाओं में उपचुनाव होने हैं, वहां मौजूदा विधायकों के लोकसभा में निर्वाचित होने और सीट खाली होने के कारण उपचुनाव जरूरी हो गये हैं। समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी को आपराधिक मामले में दोषी ठहराये जाने तथा अयोग्य घोषित किये जाने के कारण सीसामऊ सीट पर उपचुनाव जरूरी हो गया है।

पर्यावरण का ख्याल

पर्यावरण हमारे जीवन से जुड़ा किस्सा,
स्वच्छ बनाने को डाल कुछ हिस्सा,
प्रदूषण तो करता है हर कोई,
सोच कर क्या आंखें भिगोई,
स्वच्छ बनाने को देना योगदान,
सांसें इसी पर टिकी यही जान,
ठोस कदम उठाने को हौसला पाल,
कुछ रख पर्यावरण का ख्याल।
घूम रहा हर कोई होकर बेफिक्र,
जिव्हा पर अब कहां दिखता जिक्र,
हर कोई अपनी सुख सुविधा में लीन,
आधुनिक प्रौद्योगिकी में हर कोई प्रवीण,
कर रहा प्रदूषित नदियों का जल,
सोचता नहीं होगा क्या कल,
कैसे करेगा सीधी जो टेढ़ी चाल,
कुछ रख पर्यावरण का ख्याल।
पटाखों से कैसा खुशी का इजहार,
प्रदूषित करता धरती को बार-बार,
खुशी के मौके पर लगा पेड़,
कहीं लापरवाही में न हो जाए देर,
फैल रहे अस्थमा और चर्म रोग,
बिना पेड़ों के कैसे रहें निरोग,
लगाकर पौधे जरूरी देखभाल
कुछ रख पर्यावरण का ख्याल।
कुछ लोग सड़क पर फैलाते गंदगी,
मानव मवेशियों की कटघरे में जिंदगी,
कहां लोगों के पास सोचने का क्षण,
सिमटते जा रहे हैं आज वन,
स्वच्छ हो नभ जल थल,
तभी उज्जवल होगा आने वाला कल,
उखाड़ फैंक अनभिज्ञ का जाल,
कुछ रख पर्यावरण का ख्याल।

-डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।

इको फ्रेंडली पटाखों का इस्तेमाल हो

अरविंद जयतिलक

विगत एक दशक में पटाखे चलाने का प्रचलन कुछ ज्यादा ही बढ़ा है। विशेष तौर पर त्यौहारों के अवसर पर। निःसंदेह त्यौहारों को धूमधाम से मनाना चाहिए। पटाखे भी फोड़े जाने चाहिए। लेकिन पटाखे इको फ्रेंडली होने चाहिए। पर विडंबना यह है कि देश में चीनी पटाखों की आमद बढ़ी है, जिसके इस्तेमाल से वातावरण विषैला हो रहा है। हालांकि एक्सप्लोसिव एक्ट के तहत चीनी पटाखों के आयात पर सरकार ने रोक लगा रखा है। लेकिन सच्चाई यह है कि इन पटाखों की तस्करी के जरिए भारत लाया जा रहा है। आमतौर पर इन पटाखों को दीपावली के आसपास तस्करी के जरिए अन्य वस्तुओं के साथ कंटेनरों में भरकर लाया जाता है। चीनी पटाखों में क्लोराइड और परक्लोराइड जैसे घातक रसायनों की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक होती है। इसे सेहत के लिए बेहद खतरनाक माना जाता है। तुलनात्मक रुप से भारतीय पटाखों में इस्तेमाल होने वाले नाइटेज्ट की अपेक्षा चीनी पटाखों में प्रयुक्त क्लोराइड 200 से अधिक डिग्री सेल्सियस तापमान पर पिघलता है और हल्की सी रगड़ से विस्फोट हो जाता है। चूंकि नाइट्रेट की अपेक्षा क्लोराइड सस्ता होता है, इस नाते चीनी पटाखों की कीमत कम होती है और बाजार में उनकी मांग ज्यादा होती है। चीनी पटाखों को भारतीय जलवायु के अनुकूल नहीं माना जाता। अगर इन पटाखों का समुचित रखरखाव न हुआ तो भीषण हादसे होने की संभावना बनी रहती है। गौर करें तो दीपावली के आसपास इस तरह के हादसों की संभावना बढ़ जाती है। हादसों के अलावा ऐसे पटाखों के इस्तेमाल से सेहत संबंधी भी समस्याएं भी गहराती हैं। मसलन दीपावली के आसपास सांस की बीमारी से पीड़ित लोगों की तकलीफें बढ़ जाती हैं। पटाखों के धुएं में नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइ ऑक्साइड, कार्बन मोनो ऑक्साइड, ऐस्बेस्टॉस तत्वों के अलावा जहरीले गैसों के रसायनिक तत्व पाए जाते हैं जो बेहद खतरनाक हैं। कफ, अस्थमा, ब्रोकांइटिस, न्यूमोनिया, एम्फिसिया, सिरदर्द, फेफड़ों का कैंसर, आंख में जलन, श्वास नलिका में अवरोध एवं विभिन्न तरह की एलर्जी होती है। चूंकि पटाखों में जहरीले तत्वों की मात्रा अधिक होती है इस वजह से फेफड़ों की क्षमता प्रभावित होती है। यह कोशिकाओं को समाप्त कर देता है जिसके कारण फेफड़ों से आक्सीजन ग्रहण करने और कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ने में बाधा आती है। जहरीले पटाखों के कारण षरीर में बैक्टीरिया और वायरस के संक्रमण की संभावना भी बढ़ जाती है। इसके अलावा ध्वनि प्रदूषण की समस्या भी बढ़ जाती है। इस दौरान आवाज का स्तर 15 डेसीबल बढ़ जाता है जिसके कारण श्रवण क्षमता प्रभावित होने, कान के पर्दे फटने, रक्तचाप बढ़ने, दिल के दौरे पड़ने जैसी समस्याएं उत्पन हो जाती हैं। अगर आमजन को पटाखों से होने वाले नुकसान और वातावरण संरक्षण अधिनियम 1986 तथा ध्वनि प्रदूषण से सुपरिचित कराया जाए तो वातारण के प्रति उनमें संवेदनशीलता बढ़ेगी। आंकड़ें बताते हैं कि मानव निर्मित वायु प्रदूषण से हर साल तकरीबन चार लाख सत्तर हजार लोग दम तोड़ते हैं। मानव निर्मित प्रदूषण की वजह से आज भारत के विभिन्न शहर प्रदूषण की चपेट में हैं। आज देश की राजधानी दिल्ली सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में से एक है। अगर पटाखों के बजाए दीपों के जरिए दीपावली का उत्सव मनाया जाए तो वायुमण्डल में सकारात्मक उर्जा का प्रवाह बढ़ेगा और करोड़ों रुपए भी बर्बाद होने से बचेंगे। यहां ध्यान देना होगा कि विगत वर्षों में वायुमण्डल में ऑक्सीजन की मात्रा घटी है और दूषित गैसों की मात्रा बढ़ी है। कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा में तकरीबन 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जिससे न केवल कई तरह की बीमारियों में इजाफा हुआ है बल्कि खतरनाक स्तर पर वातावरण भी प्रदूषित हुआ है। इसका मुख्य कारण बड़े कल-कारखानें और उद्योगधंधों में कोयले एवं खनिज तेल का उपयोग है। गौरतलब है कि इनके जलने से सल्फर डाई ऑक्साइड निकलती है जो मानव जीवन के लिए बेहद खतरनाक है। शहरों का बढ़ता दायरा, कारखानों से निकलने वाला धुंआ, वाहनों की बढ़ती तादाद एवं मेट्रो का विस्तार तमाम ऐसे कारण हैं जिनकी वजह से प्रदूषण बढ़ रहा है। वाहनों के धुएं के साथ सीसा, कार्बन मोनोक्साइड तथा नाइट्रोजन ऑक्साइड के कण निकलते हैं। ये दूषित कण मानव शरीर में कई तरह की बीमारियां पैदा करते हैं।

मसलन सल्फर डाई ऑक्साइड से फेफड़े के रोग, कैडमियम जैसे घातक पदार्थों से हृदय रोग, और कार्बन मोनोक्साइड से कैंसर और श्वास संबंधी रोग होते हैं। कारखानें और विद्युत गृह की चिमनियों तथा स्वचालित मोटरगाड़ियों में विभिन्न ईंधनों के पूर्ण और अपूर्ण दहन भी प्रदूषण को बढ़ावा देते हैं। वायु प्रदूषण से न केवल मानव समाज को बल्कि प्रकृति को भी भारी नुकसान पहुंच रहा है। प्रदूषित वायुमण्डल से जब भी वर्षा होती है प्रदूषक तत्व वर्षा जल के साथ मिलकर नदियों, तालाबों, जलाशयों और मृदा को प्रदुषित कर देते हैं। अम्लीय वर्षा का जलीय तंत्र समष्टि पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। नार्वे, स्वीडन, कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका की महान झीलें अम्लीय वर्षा से प्रभावित हैं। अम्लीय वर्षा वनों को भी बड़े पैमाने पर नष्ट कर रहा है। ओजोन गैस की परत, जो पृथ्वी के लिए एक रक्षाकवच का कार्य करती है, में वायुमण्डल के दूषित गैसों के कारण उसे काफी नुकसान पहुंचा है। ध्रुवों पर इस परत में एक बड़ा छिद्र हो गया है जिससे सूर्य की खतरनाक पराबैगनीं किरणें भूपृष्ठ पर पहुंचकर ताप में वृद्धि कर रही है। इससे न केवल कैंसर जैसे असाध्य रोगों में वृद्धि हो रही है बल्कि पेड़ों से कार्बनिक यौगिकों के उत्सर्जन में बढ़ोत्तरी हुई है। इससे ओजोन एवं अन्य तत्वों के बनने की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। नए शोधों से जानकारी मिली है कि गर्भवती महिलाएं जो वायु प्रदूषण क्षेत्र में रहती है, उनसे जन्म लेने वाले शिशु का वजन सामान्य शिशुओं की तुलना में कम होता है।

यह खुलासा एनवायरमेंटल हेल्थ प्रॉस्पेक्टिव द्वारा 9 देशों में 30 लाख से ज्यादा जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं के अध्ययन से हो चुका है। एक अनुसंधान के आंकड़ें के मुताबिक वायु प्रदूषण से देश में औसत जीवनकाल 1.7 वर्ष घट गया है और अधिकतर मौतें प्रदूषण के कारण फेफड़ों में कैंसर, हार्ट अटैक और क्रोनिक रोगों से हो रही है। आंकड़े के मुताबिक प्रति लाख आबादी की मृत्यु में वायु प्रदूषण की हिस्सेदारी 89.9 प्रतिशत है। याद होगा गत वर्ष पहले सर्वोच्च अदालत ने प्रतिबंधित पटाखों का निर्माण और इस्तेमाल किसी भी हाल में न होने देने के लिए कड़ा रुख अख्तियार किया था। उसने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को इस बारे में ताकीद किया था कि उसके आदेशों का सख्ती से पालन हो। सर्वोच्च अदालत ने यह भी कहा था कि अगर कोई राज्य इसमें चूक करता है तो उस राज्य के मुख्य सचिव गृहसचिव जिम्मेदार होंगे। तब उसने छः पटाखा निमार्ताओं को नोटिस जारी कर पूछा कि उनके खिलाफ न्यायालय की अवमानना की कार्यवाही क्यों न किया जाए। उल्लेखनीय है कि 2019 में सर्वोच्च अदालत ने पटाखों में इस्तेमाल होने वाले खतरनाक रसायनों पर प्रतिबंध लगाया था। फिर उसने 3 मार्च, 2020 को पटाखों में इस्तेमाल किए जाने पदार्थों की रासायनिक जांच करने को कहा।

उसके आदेश पर सीबीआई चेन्नई के संयुक्त निदेशक द्वारा जांच और पेश रिपोर्ट में पाया गया है कि प्रतिबंध के बावजूद भी एक दर्जन निमार्ताओं ने पटाखों में प्रतिबंधित रसायनों का इस्तेमाल किया है। गौरतलब है कि पटाखा निमार्ताओं से लिए गए नमूनों की रासायनिक जांच में प्रतिबंधित बेरियम एवं बेरियम सॉल्ट का इस्तेमाल पाया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि बेरियम पर प्रतिबंध लगने के बाद भी कंपनियों ने जमकर खरीददारी की है। ऐसे में सर्वोच्च अदालत का नाराज होना स्वाभाविक है। अब देखना दिलचसप होगा कि सर्वोच्च अदालत के आदेशों का कितना पालन होता है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने 65 व्यक्तियों की शिकायतें सुनीं

अधिकारियों को शिकायतों का समाधानकारक निराकरण करने के दिये निर्देश

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में 65 व्यक्तियों की शिकायतें सुनीं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को समाधानकारक निराकरण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने मुन्नालाल रावत निवासी दोहा बैकुंठपुर द्वारा अपने पुत्री की सर्प काटने से हुई मृत्यु पर सहायता राशि प्रदान करने तथा मध्येपुर हुजूर निवासी सुखलाल सेन द्वारा पुत्र के खदान में डूबने से हुई मृत्यु पर सहायता राशि प्रदान करने का आवेदन दिया जिस पर उन्होंने संबंधित तहसीलदार को तत्काल परीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित जनसुनवाई में जोड़ौरी की देविका सिंह ने प्रधानमंत्री किसान निधि की राशि दिलाने का आवेदन दिया जिसे एसएलआर को कार्यवाही हेतु, सांव निवासी मानवती कुशवाहा के नक्शा तरमीम के आवेदन को नायब तहसीलदार हुजूर को, बंदरावं निवासी सुरेश दुबे के आराजियों की इस्तलाबी के आवेदनों को एसडीएम हुजूर को प्रेषित करते हुए कार्यवाही किये जाने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये। गायत्री कुशवाहा निवासी अमवा के जमीन से अतिक्रमण हटाने, शुभम कुशवाहा के हर्दी से महाडाडी मार्ग खोलने तथा बरहुला के विवेक तिवारी के अतिक्रमण हटाने के आवेदन को एवं करहिया नं. एक के भागवत प्रसाद तिवारी के नाली निर्माण के आवेदन को संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही हेतु प्रेषित किये गये। लालमणि गौतम धौचट एवं अम्बा प्रसाद मिश्र शाहपुर ने बिजली के बिल के सुधार के लिये आवेदन दिया जिसे कलेक्टर द्वारा विद्युत मंडल के अधिकारियों को कार्यवाही किये जाने हेतु प्रेषित किया गया। सुकवार निवासी रामायण प्रसाद गौतम के बटवारा के आवेदन तथा गोविंदगढ़ की वार्ड क्रमांक 9 की राजकुमारी द्वारा बारसाना नामांतरण कराने के आवेदन को संबंधित एसडीएम व तहसीलदार को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। जनसुनवाई में पंचराज पटेल उमरी ने उमरी-मड़ी रास्ता खोले जाने, रामखेलावन पटेल कचूर के चरनोई भूमि का सीमांकन करने के आवेदन को संबंधित राजस्व अधिकारियों को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया।। श्यामनारायण समदरिया दादर ने जमीन ईकेवायसी परिमार्जित करने, मथुरा प्रसाद गुप्त गुडहाई बाजार में धारणाधिकार पट्टा दिलाये जाने का आवेदन कलेक्टर के सम्मुख प्रस्तुत किया गया। जिसे कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही किये जाने हेतु प्रेषित किया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर पी.के. पाण्डेय तथा प्रपंज आर ने भी जनसुनवाई की। इस अवसर पर विभिन्न विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

चौधरी ने अपने जन्म दिवस के मौके पर क्षेत्र की 11 कन्याओं के कन्यादान करने का लिया संकल्प

कांग्रेस नेता प्रमोद चौधरी के समर्थकों पार्टी कार्यकर्ता द्वारा धूमधाम से मनाया गया 44 वाँ जन्मदिन, एक विकलांगों को ट्राई स्किल हेतु नगद राशि की प्रदान

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महामंत्री प्रमोद चौधरी के आज 44 वे जन्म दिवस को उनके उत्साहित समर्थकों पार्टी कार्यकर्ताओं ईस्ट मित्रों द्वारा ग्वालियर से लेकर गोरमी तक भव्य तरीके से मनाया गया इस दौरान समर्थकों द्वारा अपने प्रिय नेता का फूल मालाओं,ढोल नगाड़ा, आतिशबाजी के साथ केक काटकर बड़े ही धूमधाम से मनाया गया । चौधरी सुबह ही अपने निज निवास ग्वालियर से 09 बजे सर्वप्रथम दीनदयाल नगर स्थित दंदरौआ धाम मंदिर पहुंचकर विशेष पूजा अर्चना कर अपने विधानसभा क्षेत्र मेंहगांव की ओर काफिले के साथ रवाना हुए जिस दौरान श्री चौधरी का लक्ष्मणगढ़ टोल प्लाजा गोहद,चौराहा,मौ रोड,गोहद,मौ अमायन के अलावा दंदरौआ धाम आश्रम मेहगांव पर महंत श्री रामदास जी महाराज के सानिध्य में चौधरी की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विशेष पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात वह मेहगांव की ओर रवाना हुए जहां शिव शक्ति गार्डन पर अपने प्रिय नेता के स्वागत में बड़ी संख्या में युवा आमजन के द्वारा अपने प्रिय नेता को फूलमालाओं ढोल नगाड़ा आतिशबाजी के साथ स्वागत करते हुए केक काटा गया इसके बाद देर रात चौधरी का काफिला गोरमी की तरफ रवाना हुआ जहां सुबह 11 बजे से ही इंतजार में उपस्थित बड़ी संख्या में जनसमूह समर्थकों का हुजूम चौधरी के काफिले के पहुंचते ही प्रमोद भैया जिंदाबाद के नारे लगाते हुए उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया और केक काटकर अपनी खुशी का इजहार किया। चौधरी ने जन्म दिवस के मौके पर मेहगांव शिवशक्ति गार्डन में आयोजित जन्मदिन समारोह में भावुक होते हुए कहा है,कि मेंहगांव विधानसभा क्षेत्र मेरा परिवार है और आज मैंने अपने परिजनों में जो उत्साह और उमंगता जोश खरोश देखा है,जिससे मैं अत्यधिक अभिभूत हुआ और मैं आज अपने इस जन्मदिन के अवसर पर यह संकल्प लेता हूं कि मैं क्षेत्र की उन 11 गरीब परिवार बेटियों का कन्यादान स्वयं के खर्चे पर करूंगा। जन्म दिवस के अवसर पर क्षेत्र से बधाई देने आए एक विकलांग को चलने फिरने हेतु काफी परेशानी को देखते हुए अपनी जेब से नगद राशि देकर उसे ट्राई स्किल खरीदने हेतु भेंट की। चौधरी की क्षेत्र के प्रति लगन सहनशीलता ब सहज सरलता के चलते ही अल्प समय में क्षेत्र में अच्छी खासी पहचान बनाई है। क्षेत्रीय जनता चौधरी को अगले विधानसभा प्रत्याशी के रूप में देख रही है,अपने जन्म दिवस के अवसर पर क्षेत्र के भ्रमण के दौरान जन-जन से मुलाकात कर रहे कांग्रेस नेता चौधरी ने क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को दीपावली की सभी क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए खुशहाल जीवन के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। चौधरी समर्थकों और इष्ट मित्रों द्वारा ग्वालियर से लेकर भिंड,गोरमी, मेहगांव,गोहद,मालनपुर,दीनदयाल नगर अमायन,मौ क्षेत्र के मुख्य मार्गो सहित मुख्य स्थान पर बधाई एवं स्वागत द्वार,होर्डिंग,बैनर,पोस्टर उनके जगह- जगह लगाए गए थे।

बाजार में उमड़ी लोगों की भीड़, फुटपाथ हुआ गायब, फुटपाथी दुकानदारों को जद्दोजहद से मिला स्थान

बड़े दुकानदारों ने किया सड़कों तक कब्जा

ललितपुर। दीपावली त्यौहार को लेकर शहर के बाजार गुलजार हो उठे हैं। मंगलवार को धनतेरस के त्यौहार को लेकर बाजार में भारी चहल कदमी देखी गयी। जहां एक ओर काफी जद्दोजहद के बाद मिले स्थान से खुश दिखे तो वहीं बड़े दुकानदारों द्वारा अपनी दुकान से सडक तक कहीं 10 तो कहीं तीस फीट तक किये गये सडक किनारे तक कब्जे में रौब देखने को मिला। इसी बीच लोगों ने जमकर खरीददारी की और बाजार में देशी और कई प्रकार की नई-नई डिजाइनों में दिये भी देखने को मिले। बाजार में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए यातायात प्रभारी आलोक कुमार तिवारी ने आलाधिकारियों के निर्देशानुसार तीन और चार पहिया वाहनों का मार्ग डायवर्ट रखा। मुख्य बाजार तक जाने के लिए दो पहिया वाहनों को ही ले जाने की अनुमति रही।

ललितपुर के कटरा बाजार मे रंगे हाथ पकड़ा गया जेब कतरा–ललितपुर के कटरा बाजार मे आज खरीदारी कर रहे लोगों की जेब काटने बाला जेब कतरे को स्थानीय लोगों न पकड़ लिया। बाजार मे हलचल देख मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने जैसे ही जेब कतरे को पकडने् का प्रयास किया तो जेब कतरा उत्पात मचा दिया। आधा दर्जन पुलिस कर्मियों ने किसी तरह जेब कतरे को गिरफ्तार कर चौकी पहुंची त्यौहार के मद्देनजर बाजार खरीदारों की भीड़ है जिसका फायदा उठा कर चोर और जेब कतरे भी सक्रिय हो गए, जो लोगो के जेब और पर्स पर हाथ साफ कर रहे है। हालांकि चप्पे चप्पे पुलिस तौनात है जिससे जो लोगों को सुरक्षा का एहसास कराती है लेकिन बाजार जाने बाले लोगों को भी साबधानी और सतर्कता रखने की आवश्यकता है।

बिना सूचना अनुपस्थित अधिकारियों का कटेगा वेतन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि सभी अधिकारी आमजनता के आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण करें। सीएम हेल्पलाइन में लंबित आवेदन तथा समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं के आवेदनों का अनिवार्य रूप से निराकरण करें। संभाग के सभी जिलों में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की संख्या बहुत अधिक है। विशेष प्रयास करके इनका निराकरण करें। योजनाओं के क्रियान्वयन तथा आवेदनों के निराकरण की ग्राम स्तर तक समीक्षा करें। कमिश्नर ने कहा कि उपायुक्त ट्राईबल छात्रवृत्ति से संबंधित सभी आवेदन सात दिवस में निराकृत करें। यदि बजट की समस्या है तो वरिष्ठ कार्यालयों को लेख करें। संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण कराएं। खाद्य विभाग में भी समय पर खाद्यान्न न मिलने तथा खाद्यान्न पर्ची से संबंधित 3665 शिकायतें लंबित हैं। इन पर तत्परता से कार्यवाही करें। निर्माण कार्यों से जुड़े अधिकारी वर्षाकाल में क्षतिग्रस्त सड़कों का प्राथमिकता से सुधार कराएं। इस संबंध में लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। कमिश्नर ने कहा कि शासन की विभिन्न परियोजनाओं के क्रियान्वयन तथा निर्माण कार्यों के लिए जहाँ वन विभाग से अनुमति की आवश्यकता है वहाँ के प्रकरण पाँच नवम्बर तक कमिश्नर कार्यालय में प्रस्तुत कर दें। वन विभाग के साथ संबंधित अधिकारियों की समन्वय बैठक 18 नवम्बर को आयोजित की जाएगी। इसमें प्रकरणों का निराकरण कराया जाएगा। संभागीय पेंशन अधिकारी 30 अक्टूबर तक लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण की विभागवार तथा जिलेवार जानकारी प्रस्तुत करें। पेंशन प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वालों पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। सभी अधिकारी जन सुनवाई में भी प्राप्त आवेदनों का सात दिवस में निराकरण करके प्रतिवेदन् प्रस्तुत करें। सभी अधिकारी ग्राम स्तर तक के कर्मचारियों का भ्रमण रोस्टर जारी कराकर उसके अनुरूप कर्मचारियों और अधिकारियों का क्षेत्र में दौरा सुनिश्चित करें। खण्ड स्तरीय तथा ग्राम स्तरीय अधिकारी और कर्मचारी अपने कार्यालय तथा ग्राम पंचायत भवनों में भ्रमण दिनांक का उल्लेख कराएं। भ्रमण का प्रतिवेदन भी संभागीय अधिकारी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। कमिश्नर ने समीक्षा बैठक से बिना सूचना अनुपस्थित पाँच अधिकारियों के एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि संयुक्त संचालक कृषि फसलों की बोनी और उर्वरक के वितरण के संबंध में नियमित रूप से रिपोर्ट दें। बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों, खाद्यान्न वितरण, खनिज पदार्थों के अवैध परिवहन पर कार्यवाही तथा खराब ट्रांसफार्मर बदलने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। बैठक में योग शिक्षक डॉ दीपक सोनी ने अधिकारियों को कार्यालय अवधि में तनाव मुक्त रहने तथा नवीन ऊर्जा के संचार के लिए विभिन्न योगासनों और प्राणायाम का अभ्यास कराया। बैठक में सीसीएफ राजेश राय, डिप्टी कलेक्टर तथा प्रभारी आपूर्ति अधिकारी श्रेयस गोखले, उपायुक्त दिव्या त्रिपाठी, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ केएल नामदेव, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती ऊषा सिंह सोलंकी, संयुक्त संचालक पशु पालन डॉ राजेश मिश्रा, मुख्य अभियंता विद्युत वितरण कंपनी आईके त्रिपाठी, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी तथा सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी का हुआ आयोजन

मिनी मैराथन में सांसद ने शामिल प्रतिभागियों को दिलाई शपथ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वाधान में सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती के अवसर पर राष्टीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने खिलाड़ियों को एकता, अखण्डता और भाई चारें के साथ मिलजुल कर रहने की दिलाई तथा हरी झण्डी दिखाकर मिनी मैराथन दौड़ का शुभारंभ स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स से किया। इस अवसर पर आयुक्त नगर पालिक निगम डॉ. सौरभ सोनवणे,, प्रपंज आर, डी.के. लाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, आशीष दुबे, एम.के. धौलपुरी संभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी, बहादुर गौतम, लवकुश मिश्रा, पप्पू प्रसाद यादव, राखी सिंह चौहान, अमर सिंह जाटव, रीतिका शर्मा, तोषराम कनोजे, रमेश कुमार तिवारी, ज्योति सिंह, विकास कुमार सोनी, नीरज द्विवेदी, दिलीप सिंह, रामबहोर रावत, विनय भारती, जावेद अली, करन साकेत, राकेश कुमार, संदीप कुमार उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन दिलीप सिंह ग्रामीण युवा समन्वयक ने किया।

कलेक्टर के निर्देश पर आयुक्त नगर निगम एवं अपर कलेक्टर ने पटाखा बाजार का किया निरीक्षण

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। दीपावली के अवसर पर आतिशबाजी व पटाखा विक्रय के लिए अस्थाई लायसेंसधारी विक्रेताओं द्वारा माडल स्कूल ग्राउंड में पटाखा की दुकानें लगायी गयी हैं। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देश पर आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवाणे एवं अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने पटाखा बाजार का निरीक्षण किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान दुकानों की सुरक्षा के लिए किये गये इंतजाम को देखा तथा निर्देश दिये कि इस परिसर में किसी भी प्रकार का तेललैम्प, गैस लैम्प एवं खुले बिजली बत्तियों का उपयोग न करें। दुकान के 50 मीटर के अंदर आतिशबाजी का प्रदर्शन भी प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने दुकानदारों को निर्देश दिये कि सुरक्षा की संपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करायें तथा दिये गये दिशा निर्देशों का पालन करें।

कलेक्टर ने अधिकारियों-कर्मचारियों को दिलाई एकता की शपथ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को राष्टीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है। रीवा जिले में 30 और 31 अक्टूबर को शासकीय अवकाश होने के कारण 29 अक्टूबर को राष्टीय एकता दिवस मनाया गया। कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित समारोह में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्टीय एकता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि देश को आजाद कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और वीर बलिदानियों ने अपने प्राण न्यौछावर किए। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने स्वतंत्रता के बाद देशी रियासतों के एकीकरण का कठिन कार्य करके देश को एकता के सूत्र में पिरोया। हम सब भी देश की एकता, अखण्डता और विकास के लिए सदैव प्रयासरत रहें। सबके सहयोग से ही आमजन का कल्याण होगा तथा देश का विकास होगा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर श्रेयस गोखले तथा कलेक्ट्रेट में स्थित सभी कार्यालयों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

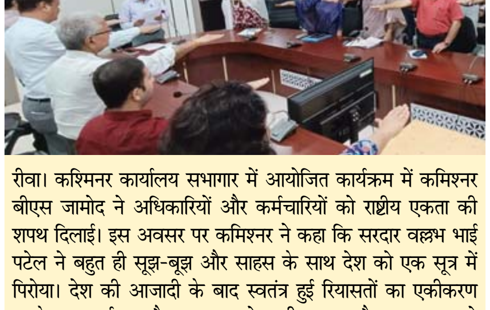

रीवा। कश्मिनर कार्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कमिश्नर बीएस जामोद ने अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्टीय एकता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर कमिश्नर ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने बहुत ही सूझ-बूझ और साहस के साथ देश को एक सूत्र में पिरोया। देश की आजादी के बाद स्वतंत्र हुई रियासतों का एकीकरण करके भारतवर्ष का गौरव बड़ाया। देश की एकता और अखण्डता को बनाए रखने के लिए हम सब सदैव प्रयत्न करें। अपने कर्तव्यों और दायित्वों का भलीभांति निर्वहन करके देश के विकास में सहयोग दें। कलेक्टर ने डिप्टी कलेक्टर श्रेयस गोखले, उपायुक्त दिव्या त्रिपाठी, सभी संभागीय अधिकारी तथा कमिश्नर कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना ने शहर में चलाया स्वच्छता अभियान

ललितपुर। भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय युवा कार्यक्रम विभाग राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा निर्देशित एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित किये जाने वाले प्रस्तावित कार्यक्रम के अन्तर्गत मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना ने मुख्य अतिथि नेमवि प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश शास्त्री के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम संयोजक डा. ओ.पी.चौधरी के नेतृत्व तथा कार्यक्रम अधिकारियों की देखरेख में स्वच्छता अभियान क्षयरोग अस्पताल के पास तथा तुवन चौराहे पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्राचार्य ने कहा कि भारत देश में पर्व एवं महोत्सवों में पांच दिवसीय दीपावली पर्व सबसे श्रेष्ठतम है क्योंकि यह पर्व स्वच्छता का पर्व है। ग्रामीण संस्कृति से लेकर महानगरीय संस्कृति तक इस पर्व में स्वच्छता अभियान चलाया जाता है। प्रत्येक घर में स्वयं लोग घर के कोने कोने तक सफाई करते हैं। इस वर्ष भारत सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता का दायित्व राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों को दिया है हम सफ़ाई कर संदेश दे रहे हैं। कार्यक्रम संयोजक डा. ओ.पी. चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना एक ऐसा माध्यम है जिससे स्वच्छता का संदेश जन जन तक जाएगा और लोग उसे पर अमल करेंगे। सरकार ने इस वर्ष रासेयो के स्वयं सेवकों को तीन मुख्य बिंदुओं पर कार्य करने की जिम्मेदारी दी है। प्रथम बाजार क्षेत्र में स्वच्छता अभियान, दूसरा यातायात पुलिस की सहायता से यातायात प्रबंधन करना, तीसरा सेवा से सीखें-अस्पतालों में डीएलपी के माध्यम से। उपरोक्त बिंदुओं को ही साकार करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम 27 अक्टूबर से ही चलाया जा रहा है और 31 अक्टूबर तक चलाये जाने की योजना है। इस पवित्र मुहिम में सभी बड़े ही मनोयोग से अपनी सहभागिता कर रहे हैं। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी डा.राजीव कुमार निरंजन, प्रदीप कुमार, रामसेवक चन्द्राकर, साधना नागल, रामलाल रायकवार, शुभी जैन, गंगाराम विश्व तथा यातायात के अन्य सहयोगी तथा रासेयो के स्वयंसेवक पूजा, अंतिम नायक, विशाल कुशवाहा, रोहित कुमार वर्मा, अर्पित साहू, सुरेंद्र, छोटू शुक्ला, सत्येंद्र, नीरज सिंह, पूनम, राखी कुमारी, रोहित, शालू जोशी, राखी कुशवाहा, वन्दना कुशवाहा, चांदनी, शिवा, आदित्य कुमार वर्मा, सौरभ, काव्या बबेले, जानवी साहू, जय झा, अंकित झा, पंकज, ललित झा, सौरभ, सुमित, राघवेंद्र, नमन जैन, कृष्ण कुमार, दर्शन कुमार, पंकज, नंदराम, अंजली दिवाकर, सत्यम चौबे, रूपसिंह, आकांक्षा कटारे, रुपाली राय, नन्दनी सेन, मुस्कान रैकवार, नन्दनी, अंशिका, सानिया, अंकिता, सूर्या, रीना कुशवाहा, लक्ष्मी अहिरवार तथा अन्य सभी स्वयं सेवक उपस्थित रहे। अन्त में नोडल अधिकारी रासेयो डा.ओ.पी.चौधरी सभी सहयोगियों एवं स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया।

भारत को एकता के सूत्र में पिरोने वाले थे सरदार बल्लभ भाई पटेल : डीएम

राष्ट्रीय एकता दिवस पर कलैक्ट्रेट व विकास भवन में ली गई सामूहिक शपथ, पुलिस लाइन में रन फॉर यूनिटी दौड़ का हुआ आयोजन

ललितपुर। मंगलवार को लौहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रुप में धूमधाम से मनाया गया। प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 31 अक्टूबर को दीपावली का सार्वजनिक अवकाश होने के कारण शासन द्वारा आज 29 अक्टूबर मंगलवार को लौहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेलजी की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाये जाने का निर्णय लिया गया, जिसके क्रम में मंगलवार को कलैक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में एवं विकास भवन में सीडीओ कमलाकांत पाण्डेय की अध्यक्षता में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अन्य अधिकारियों के साथ सरदार बल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किये, तत्पश्चात सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाये रखने की शपथ दिलायी गई। जिलाधिकारी के आह्वान पर सभी ने शपथ को दोहराया कि मैं, सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूँ कि मैं राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाये रखने के लिए स्वयं को समर्पित करुंगा और अपने देश वासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करुंगा। मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूँ, जिसे सरदार बल्लभ भाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा सम्भव बनाया जा सका। मैं अपने देश की आन्तरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करता हूँ। जिलाधिकारी ने लौहपुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लौहपुरुष के व्यक्तित्व से हमें राष्ट्र की एकता और अखण्डता का संकल्प लेना चाहिए। उन्होने कहा कि स्वतंत्र भारत में अखण्डता स्थापित करने में सरदार बल्लभ भाई पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका है, उन्होने ही सम्पूर्ण भारत को एक सूत्र में पिरोकर अखण्ड राष्ट्र का निर्माण किया। आप सभी अपने बच्चों एवं अपने परिवार को लौहपुरुष के जीवन चरित्र, उनके आदर्शों तथा आज की शपथ के बारे में अवश्य बतायें। इस अवसर पर डीएफओ गौतम सिंह, अपर जिलाधिकारी वि./रा. अंकुर श्रीवास्तव, सीडीओ कमलाकांत पाण्डेय, ईओ दिनेश विश्वकर्मा, सीवीओ डा.देवेन्द्र पाल सिंह, बीडीओ सौरभ वर्णवाल सहित अन्य अधिकारी एवं कलैक्ट्रेट के अधिकारी/कर्मचारी, नाजिर सदर एवं सूचना विभाग से सुमित कुमार, मनोहर कुशवाहा, दीपक भार्गव आदि उपस्थित रहे। इसी क्रम में सुबह पुलिस लाइन से पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक की अध्यक्षता में रन फॉर यूनिटी दौड़ का आयोजन किया गया। रन फॉर यूनिटी का शुभारंभ पुलिस लाइन ललितपुर से पुलिस अधीक्षक द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। पुलिस अधीक्षक क्षेत्राधिकारी सदर, सीओ लाइन अन्य पुलिस कर्मियों द्वारा पुलिस लाइन से दौड़ प्रारंभ कर कचहरी चौराहा से तुवन मंदिर चौराहा होते हुए घंटाघर से वापस तुवन चौराहा से कलेक्ट्रेट रोड कचहरी चौराहा से वापस पुलिस लाइन तक दौड़ रन फॉर यूनिटी की गयी। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय, क्षेत्राधिकारी महरौनी अजय कुमार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी मतलूब हुसैन, क्षेत्राधिकारी भगवानदास उमराव, सीओ प्रशिक्षु सुनील भारद्वाज, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली, प्रतिसार निरीक्षक आदि उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन में लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई गई।

विवादित जमीन पर जबरन लिर बनाने का लगवाया स्टे

विपक्षी ने निर्माण कार्य रूकने से क्षुब्ध होकर पीड़ित पक्ष पर दर्ज कराया मामला

ललितपुर। विवादित जमीन पर पिलर खड़ा करा रहे विपक्षी को एसडीएम के आदेशानुसार निर्माण कार्य रूकवाना पीड़ित पक्ष को मंहगा पड़ गया। विवादित जमीन पर गड्ढा खुदवा कर पिलर खड़े कर रहे पक्ष ने अपने महाविद्यालय के सुरक्षा कर्मी से एक शिकायती पत्र कोतवाली पुलिस को दिलवा कर स्थगन आदेश पारित कराने वाले पीड़ित पक्ष पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुये पिता व दो पुत्रों पर मामला दर्ज करा दिया। हालांकि इस प्रकरण में पीड़ित पक्ष ने एसपी की शरण लेते हुये एक शिकायती पत्र भेजा है। शहर के मोहल्ला लक्ष्मीपुरा में प्राईमरी स्कूल के सामने रहने वाले चम्पालाल पुत्र स्व.रामसेवक ने पुलिस अधीक्षक को भेजे शिकायती पत्र में बताया कि ग्राम पनारी स्थित एक महाविद्यालय के डायरेक्टर द्वारा विवादित जमीन पर गड्ढा खुदवाकर पिलर निर्माण कराया जा रहा था। प्रकरण में जानकारी होने पर उनके द्वारा एसडीएम के समक्ष प्रार्थना पत्र देकर स्थगन आदेश करा लिया और निर्माण कार्य मौके पर रूकवा दिया। आरोप है कि इसी से क्षुब्ध होकर महाविद्यालय के डायरेक्टर ने अपने कर्मचारी जिसे पीड़ित जानता-पहचानता भी नहीं है से एक मनगढ़न्त प्रार्थना पत्र दिलवाकर झूठा मामला दर्ज करा दिया है। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व में इसी महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा 30 सितम्बर को भी शिकायती पत्र दिया गया था। पीड़ित चम्पालाल ने बताया कि उक्त महाविद्यालय से लगी हुयी उसकी जमीन भी है, जिस पर वह आता-जाता है। आरोप है कि महाविद्यालय के डायरेक्टर चाहते हैं कि वह जमीन पीड़ित पक्ष छोड़ दे और वह उस पर आसानी से कब्जा कर सकें। पीड़ित ने एसपी को दिये शिकायती पत्र में एक बड़ा आरोप यह भी लगाया कि इस प्रकरण में पुलिस महकमे के एक बड़े अधिकारी की संलिप्तता हैं। उन्होंने एसपी के समक्ष पूरे प्रकरण की जांच करायी जाकर दर्ज कराये गये झूठे मामले को तत्काल निरस्त कराये जाने की गुहार लगायी है।

चार नवम्बर को मनाया जायेगा गंगा उत्सव

आठवें संस्कारण पर वृहद कार्यक्रमों की रूपरेखा तय

ललितपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। डीएफओ ने बैठक का शुभारम्भ किया। जिला गंगा समिति की बैठक में सीडीओ कमलाकांत पाण्डेय ने बताया कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा गंगा नदी को भारत की राष्ट्रीय नदी घोषित किये जाने के उपलक्ष्य में गंगा उत्सव का कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष 04 नवम्बर को मनाया जाता है। गंगा उत्सव के 8वें संस्करण के उपलक्ष्य में जनपद में वृहद कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा, जिसमे गंगा आरती, दीप उत्सव व दीप दान एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन स्थानीय लोक कलाकारों के द्वारा किया जायेगा। जिला गंगा समिति की बैठकों के सुचारू रूप से संचालन पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया की गंगा समिति का वनीकरण, प्राकृतिक, जैविक कृषि, कृषि प्रसार, घाट निर्माण, पर्यटन मत्स्य पालन, वेटलैंड के विकास व अर्थ गंगा के अन्य क्षेत्रों में समन्वय किया जायेगा। जनपद के गंगा एक्शन और जल संरक्षण प्लान को तैयार किये जाने पर विशेष चर्चा की गई। जनपद में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किये जाने को लेकर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। जनपद में प्रवाहित नालों की मैपिंग, टैपिंग एवं स्क्रीन इंस्टालेशन की प्रगति एवं जिन नालों की टैपिंग नहीं हुई है, वहां बायोफायटोरे मेडिएशन का प्रयोग किये जाने पर चर्चा की गई। नदी किनारे जागरूकता के लिए डिस्प्ले बोर्ड लगाये जाने और नदियों में फेंके जाने वाली धार्मिक पेशकश को रोकने के लिए किये गए प्रयासों की समीक्षा की गई। गंगा ग्रामों में नियमित रूप से गंगा आरती के आयोजन एवं घाटों की साफ-सफाई कराई जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रभागीय निदेशक गौतम सिंह, परियोजना अधिकारी जिला गंगा समिति केतन दुबे, ईओ दिनेश विश्वकर्मा, दीपक कुमार, अवर अभियंता जल निगम अश्वनी कुमार, सहायक अभियंता सिंचाई विभाग सलमान खान, जिला पंचायत राज अधिकारी विभाग से ग्राम पंचायत अधिकारी एस.के सहरिया व सुशील चौबे, अवर अभियंता लघु सिंचाई ज्ञानेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

कुम्हारों ने बाजार में उतारे आकर्षक मिट्टी के वर्तन

ललितपुर की अनूठी कलाकारी की जीती जागती मिशाल है मिट्टी के वर्तन

ललितपुर। आधुनिक यन्त्रों व सोशल मीडिया नेटवर्क के माध्यम से लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ-साथ अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर जोर दिया जा रहा है। जिससे काफी हद तक जहां लोगों का झुकाव स्वदेशी वस्तुओं की ओर बढ़ रहा है तो वहीं अब मिट्टी से अनूठी कारीगरी करते हुये कुम्हारों ने भी आधुनिकता की वस्तुओं को मात किया है। बाजार में कुम्हारों द्वारा बनाये गये मिट्टी के वर्तन व दीये की खूब बिकवाली हो रही है। गौरतलब है कि चाक की रफ्तार दीपावली के आने पर नहीं बढ़ सकी। उम्मीद थी कि समाज के इस उपेक्षित कुम्हार वर्ग को दीपावली पर अच्छा खासा लाभ होगा, लेकिन मिट्टी के अभाव और निर्मित किए जाने वाले उत्पदों पर कम मुनाफे के चलते कुम्हार व्यवसाय छोडते जा रहे हैं। ऐसा ही रहा तो निश्चित रूप से आने वाले वर्षो में लोग चाक देखने को तरस जाएंगे। एक समय चाक का केज कुम्हारों में ही नही, आम लोगों में भी हुआ करता था। जहां कुम्हार अपनी अनूठी कलाकारी से मिट्टी के बर्तनों को भी आकर्षक बना देते थे। वहीं लोग भी चाक पर बने इन आकर्षक मिट्टी के बर्तनों को काफी महत्व देते थे। कुल्हड़, प्याले आदि तो दावतों की जान हुआ करते थे। जबकि दीपावली पर दीपक और कुलुओं की मांग इतनी अधिक हो जाती थी कि उसकी पूर्ति करना कुम्हारों के लिए चुनौती हुआ करती थी। लेकिन समय बदलने के साथ ही इस कला को नजर सी लग गई। लोगों का रूझान मशीनी और आधुनिकतम उत्पादों की ओर बढ़ता चला गया। दावतों में पूरी तरह से प्लास्टिक ने इन बर्तनों का स्थान ले लिया। वहीं दीपावती पर्व पर भी झालरों, मोमबत्तियों से दीपकों की चमक कम होती चली गई। मिट्टी के वर्तन बनाने वाले एक व्यवसायी ने बताया कि पीढि?ों से उनके यहां यह कार्य होता रहा है। पहले काफी सम्मान भी मिलता था और अच्छी तरह गुजर बसर हो जाती थी। लेकिन अब इस धंधे में दो वक्त की रोटी जुटाना मुश्किल हो गया है। इसी कारण उन्होंने अपने बच्चों को इस धंधे से दूर कर दिया। उसने बताया कि दिनभर की मेहनत कर काफी मुश्किल से 100 दीपक बनते हैं। इनमें कुछ दीपक पकाते और रंगते समय टूट जाते हैं। नुकसान-खर्चा आदि निकालकर लगभग 50 प्रतिशत बचत हो पाती है। जबकि एक रूपये में चार दीपक बिकते हैं। इस प्रकार दिनभर की हाड़तोड़ मेहनत से 25-30 रूपये ही बच पाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रयोग की जाने वाले काली चिकनी मिट्टी मिलना भी अब काफी मुश्किल हो गया है।

धनवंतरी पूजन कर सभी के स्वास्थ्य की मनोकामनाएं

ललितपुर। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा अधिकारी डा.अर्जुन लाल के मुख्य अतिथि में धन्वंतरि जयंती के अवसर पर डा.एस.पी. पाठक की अध्यक्षता व डा. दीपक चौबे के संचालन में राजघाट रोड पर आयोजन किया गया। धनवंतरी की पूजा अर्चना की डा.एसपी पाठक ने कहा धन्वंतरी आयुर्वेद के सबसे बड़े देवता हैं। भगवान धन्वंतरि को हिंदू धर्म में देव वैद्य का पद हांसिल है। कहते हैं कि कार्तिक मास की चतुर्दशी को प्राकट्य के समय चतुर्भुजी धन्वंतरि के चार हाथों में अमृत कलश, औषधि, शंख और चक्र विद्यमान हैं। प्रकट होते ही उन्होंने उन्होंने बताया कि अच्छे स्वास्थ्य स्वास्थ्य और सेहत की कामना के लिए संतोष रूपी धन से बड़ा कोई धन नहीं है। धनतेरस के दिन का स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बड़ा महत्व है। इस दिन आयुर्वेद के जनक माने जाने वाले भगवान धनवंतरी की पूजा सभी को स्वस्थ की कामना के लिए की जाती है। आयुर्वेद से लक्ष्मी विलास रस, आयुष काढ़, अश्वगंधा, गिलोय, फेफटॉल, आमला नाय चिरायता, अदरक, लहसुन, हल्दी, च्यवनप्राश का वैश्विक महामारी में सावधिक प्रयोग किया गया है। कोविड काल में बनाई गई दवा कोरोना किट पूरे देश में सभी लोगों ने खरीदा है। सस्ती और लाभप्रद चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद है। वैश्विक महामारी में इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए सबसे ज्यादा आयुर्वेद के उत्पादों का प्रयोग किया गया है। आने वाले समय में आयुर्वेद की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। कार्यक्रम में डा.राजकुमार जैन, डा.आर.पी.सिंह, डा.एम.एस. तोमर, डा.जे.एस. चौबे, डा.राजेश शर्मा, डा.अमिताभ पाराशर, डा.सुधीर नजा, डा.राजेंद्र साहू, डा.रामगोपाल साहू, डा.अनूप श्रीवास्तव, डा.रानी श्रीवास्तव, डा.विवेक सक्सेना, डा.अरविंद झा, डा.स्वामी प्रसाद लोधी, डा.सुदीप श्रीवास्तव आदि सम्मिलित रहे।

बड़ागांव क्षेत्र दरगुंवा रोड पर 30 वर्षीय महिला मोटर साईकिल के अनियंत्रित होकर हुई घायल डायल-112/100 सेवा ने घायल महिला को अस्पताल पहुँचाया

संवाददाता विवेक राय

जिला टीकमगढ़ के थाना बड़ागांव के अंतर्गत दरगुंवा रोड पर मोटर साईकिल के अनियंत्रित होकर हुई एक महिला हुई। घायल अस्पताल ले जाने के लिए पुलिस सहायता की। आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-100 भोपाल में दिनाँक 29-10-2024 को प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल बड़ागांव थाना क्षेत्र में तैनात डायल-100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया । डायल-112/100 स्टाफ आरक्षक दीनदयाल 513 पायलेट रज्जक खान ने घटना स्थल पर पहुँचकर बताया कि ममता पति वृंदावन लोधी निवासी नयाखेरा घुवारा छतरपुर मोटर साईकिल के अनियंत्रित होकर हुई एक महिला घायल डायल-112/100 जवानों द्वारा घायल महिला को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल बड़ागांव पहुँचाया गया ।

बड़े उम्र वाले किसी व्यक्ति को डेट नहीं करेंगी उर्वशी रौतेला

बॉलीवुड फिल्म सिंह साब द ग्रेट में उर्वशी रौतेला ने बॉलीवुड में कदम रखा था। अनिल शर्मा की यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में उनके अपोजिट सनी देओल थे, और इस जोड़ी के बीच 38 साल का उम्र का अंतर था। हाल ही में एक इंटरव्यू में उर्वशी ने इस उम्र के अंतर के बारे में खुलकर बात की। उर्वशी से पूछा गया कि क्या उन्हें सनी देओल के साथ रोमांस करने में अजीब नहीं लगा, तो उन्होंने कहा, यह बॉलीवुड के इतिहास में उम्र का सबसे बड़ा अंतर है। अगर मैं गलत हूं तो मुझे सुधारें। हमारी उम्र में 38 साल का अंतर था। मैं उनके बेटों से भी छोटी हूं। लेकिन अगर निर्देशक को लगता है कि कोई समस्या नहीं है, तो ठीक है। उन्होंने यह भी बताया कि वे अपने आगामी प्रोजेक्ट एनबीके 109 में एक और बड़े उम्र के अंतर के साथ काम करने जा रही हैं। यह एक बड़े बजट की साउथ फिल्म है, जिसमें उनकी जोड़ी नंदामुरी बालकृष्ण के साथ है, जो लगभग 60 साल के हैं, जबकि उर्वशी की उम्र 30 साल है। उर्वशी ने कहा, मैं बालकृष्ण के साथ एक फिल्म कर रही हूं और हमारे बीच और भी ज्यादा उम्र का अंतर है... वह 60 या 70 के दशक में हैं और यह भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़ा उम्र का अंतर है।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने पकड़ी रफ्तार

राजकुमार राव की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 17 दिन पूरे हो गए है और इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 40 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया।पिछले कुछ दिनों से फिल्म की दैनिक कमाई लाखों में सिमटी हुई थी, लेकिन वीकेंड पर एक बार फिर यह पटरी पर लौट आई है।आइए जानते हैं विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने 17वें दिन कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया।बॉक्स ऑफिस ट्रेकर सैकनिल्क के मुताबिक, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने अपनी रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे रविवार को 1.20 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 40.20 करोड़ रुपये हो गया है।इस फिल्म को 30 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया है और इसने अपना बजट वसूल लिया है।राज शांडिल्य के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राजकुमार की जोड़ी पहली बार तृप्ति डिमरी के साथ बनी है।

अवनीत ने स्विमिंग पूल के किनारे दिए किलर पोज

अवनीत कौर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ ऐसी तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिनसे सोशल मीडिया का तापमान काफी बढ़ गया है। अवनीत ने ग्रीन लेदर आउटफिट में स्विमिंग पूल के किनारे किलर पोज देते हुए तस्वीरें खिंचवाई हैं। उनकी स्टाइलिश ड्रेस, हल्का मेकअप, बड़े ईयररिंग्स, ब्रेसलेट और खास अंदाज में बंधे हुए बाल उनके लुक को और भी ग्लैमरस बना रहे हैं। इन तस्वीरों में अवनीत ने अपने स्टाइलिश लुक से फैंस को मंत्रमुग्ध कर दिया है। उनके इस लेदर आउटफिट ने सोशल मीडिया पर हॉटनेस का जलवा बिखेर दिया है, और फैंस कमेंट सेक्शन में उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज फैंस के बीच शेयर करती हैं तो उनका हर एक लुक पर लोग अपना दिल हार जाते हैं और साथ ही लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।बॉलीवुड एक्ट्रेस अवनीत कौर हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटोरती रहती हैं।

'भूलभुलैया 3' के लिए तृप्ति डिमरी नहीं थीं पहली पसंद

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी पिछले सात सालों से इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। इस सफर में उन्होंने लैला मजनू, काला और बुलबुल जैसी कई दमदार फिल्मों में काम किया है। इन फिल्मों को दर्शकों ने खूब पसंद किया है, लेकिन एक्ट्रेस को असली पहचान फिल्म 'एनिमल' से मिली। इस फिल्म से उन्हें काफी लोकप्रियता मिली। इस फिल्म के बाद वह हर निर्माता-निर्देशक की पहली पसंद बन गई। तृप्ति डेमरी जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म 'भूल भुलैया 3' में नजर आएंगी। उनकी यह बहुप्रतीक्षित फिल्म दिवाली के मौके पर रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के निर्देशक अनीस बज्मी ने एक साक्षात्कार में बात करते हुए कहा कि तृप्ति कभी भी फिल्म के लिए पहली पसंद नहीं थीं। निर्देशक का तृप्ति को फिल्म में कास्ट करने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन पिछले साल उनकी लोकप्रियता के बाद उन्हें भूल भुलैया 3 में कास्ट करने का फैसला किया।

फिल्म 'एनिमल' में एक्ट्रेस की परफॉर्मेंस के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि तृप्ति डिमरी को रातों-रात स्टारडम मिला है। उन्हें आज जो प्रसिद्धि मिल रही है वह उनकी सालों की मेहनत है। वह पिछले 7-8 साल से फिल्म इंडस्ट्री में हैं और उन्हें एक दिन में सफलता नहीं मिली है। भूल भुलैया 3 में तृप्ति डिमरी को कास्ट करने के फैसले के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैं फिल्म के लिए एक नया चेहरा चाहता था। मैं एक ऐसी अभिनेत्री की तलाश में था जिसने कार्तिक आर्यन के साथ कभी काम न किया हो। अब फिल्म में तृप्ति का काम देखने के बाद मेरी टीम के लोग कह रहे हैं कि अनीस भाई, वह वाकई बहुत अच्छी अभिनेत्री हैं। फिल्म 'भूल भुलैया 3' दिवाली पर रिलीज होने वाली है।

अमिताभ ने चिरंजीवी को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया

बॉलीवुड के महान अभिनेता अमिताभ बच्चन ने तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार चिरंजीवी को अक्किनेनी नागेश्वर राव (एएनआर) राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार अक्किनेनी इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक समारोह में सोमवार को दिया गया। यह पुरस्कार चिरंजीवी के सिनेमा में आजीवन योगदान के लिए दिया गया है। यह उनकी उपलब्धियों का सम्मान है। चिरंजीवी ने बीग बी का सम्मान करते हुए उनके पैर छुए और आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर अमिताभ बच्चन ने कहा कि वह तेलुगु फिल्म उद्योग का हिस्सा बनने पर गर्व महसूस करते हैं। उन्होंने अपने तेलुगु डेब्यू की भी चर्चा की, जो इस साल प्रभास स्टारर फिल्म कल्कि 2898 एडी में हुई थी।

इस पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 2005 में हुई थी और इसका उद्देश्य सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान के लिए कलाकारों को सम्मानित करना है। इससे पहले यह पुरस्कार देव आनंद, लता मंगेशकर, शबाना आजमी, हेमा मालिनी, रेखा, एसएस राजामौली और श्रीदेवी जैसी महान हस्तियों को दिया

जा चुका है। इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाले चिरंजीवी 13वीं हस्ती हैं।पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतिष्ठित एएनआर की 100वीं जयंती मनाई गई।इस अवसर पर चिरंजीवी की मां अंजना देवी, पुत्र राम चरण और कई लोकप्रिय टॉलीवुड हस्तियां मौजूद थीं। अभिनेता चिरंजीवी ने एक्स पर लिखा, अक्किनेनी नागेश्वर राव गारू के शताब्दी वर्ष में उनके नाम पर प्रतिष्ठित एएनआर नेशनल अवार्ड प्राप्त करके अपने को सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। यह सम्मान मुझे मेरे सदैव गुरु अमित जी के हाथों मिला है। मैं अपनी सिनेमाई यात्रा और अपनी हर उपलब्धि में योगदान देने वाले हर किसी का शुक्रिया अदा करता हूं।

चिरंजीवी की अगली फिल्म 'विश्वंभरा' 10 जनवरी को रिलीज होने वाली है, जो एक फैंटेसी फिल्म है जिसका निर्देशन मल्लिदी वासिस्ठा ने किया है। इस फिल्म में चिरंजीवी के साथ तृषा कृष्णन भी मुख्य भूमिका में हैं।

बहुरंगा

आंखों की गुस्ताखियां में नजर आयेंगे विक्रांत मैसी

बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में काम करते नजर आयेंगे। फिल्म 12वीं फेल की सफलता के बाद से विक्रांत मैसी सुर्खियों में बने हुये हैं। विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती एक्सप्रेस जल्द हीं रिलीज होने जा रही है। विक्रांत मैसी ने एक और नई फिल्म साइन कर ली है, जिसका नाम आंखों की गुस्ताखियां है।इस फिल्म की कहानी एक लव स्टोरी पर आधारित होगी जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है।इस फिल्म के जरिए शनाया कपूर पहली बार बड़े पर्दे पर आएंगी।

फिल्म आंखों की गुस्ताखियां का निर्माण मानसी और वरुण बागला अपने बैनर मिनी फिल्म्स के तहत कर रहे हैं। संतोषी सिंह इसके निर्देशक हैं। विक्रांत मैसी ने कहा, एक लवर ब्वॉय की भूमिका निभाना एक रोमांचक चुनौती है। आंखों की गुस्ताखियां का स्टेल बहुत ही ग्रैंड है। एक रोमांटिक लीड के रूप में मानसी का मुझ पर विश्वास लगातार बना हुआ है और हम साथ मिलकर कुछ खास बना रहे हैं। इस अविश्वसनीय अवसर के लिए मैं मानसी और वरुण बागला को धन्यवाद देता हूं।

दिलचस्प

पुलकित ने कृति खरबंदा को 'ड्रामा क्वीन' बताया

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपनी पत्नी कीर्ति खरबंदा के जन्मदिन पर उन्हें शुभकामनायें देते हुये अपनी ड्रामा क्वीन बताया है। पुलकित सम्राट ने कृति खरबंदा को जन्मदिन की बधाई देने के लिये अपने इंस्टाग्राम पर मनमोहक तस्वीरों की एक श्रृंखला साझा की, और उन्हें अपनी ड्रामा क्वीन कहा।अपने पोस्ट में पुलकित ने अपनी पत्नी कृति के साथ की कई प्यारी तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में दोनों एक खूबसूरत झरने के सामने पोज देते नजर आ रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में कृति खरबंदा बाथरोब में सोफे पर बैठी हुई है और उनके हाथ में एक कप है, जिसमें पुलकित सम्राट चाय डालते हुए दिख रहे हैं। पोस्ट में उनकी शादी के जश्न की तस्वीरें भी शामिल हैं।

तस्वीरों के साथ, पुलकित ने एक प्यारा सा कैप्शन लिखा, हैप्पी बर्थडे ड्रामा क्वीन! @कृति.खरबंदा, 'गुड मॉर्निंग' से लेकर देर रात तक आप अभी भी क्यों जाग रहे हैं के लुक तक आप हमेशा सबसे सुन्दर दिखती हैं।

अर्जुन कपूर ने कहा 'मैं सिंगल हूं'

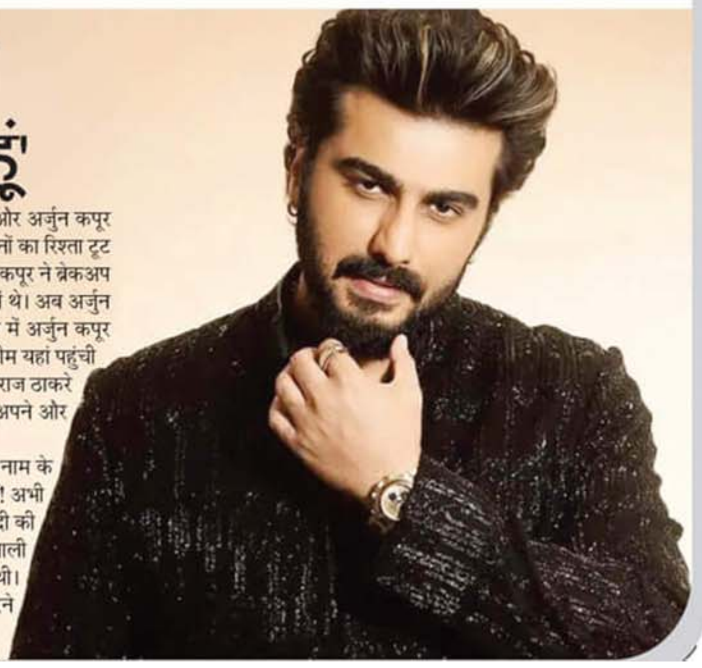

बॉलीवुड की सबसे चर्चित जोड़ियों में से एक मलायका अरोड़ा और अर्जुन कपूर का ब्रेकअप हो गया है। पिछले कई दिनों से चर्चा थी कि इन दोनों का रिश्ता टूट गया है लेकिन उन्होंने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। आखिरकार अर्जुन कपूर ने ब्रेकअप पर मुहर लगा दी है। मलायका और अर्जुन छह साल तक रिलेशनशिप में थे। अब अर्जुन ने कहा है कि वह सिंगल हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के एक कार्यक्रम में अर्जुन कपूर का एक वीडियो वायरल हो रहा है। 'सिंघम अगेन' के प्रमोशन के लिए टीम यहां पहुंची थी। रोहित शेट्टी और टाइगर श्रॉफ भी यहां आए। वीडियो में मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बगल में अर्जुन खड़े नजर आ रहे हैं। यहां बात करते हुए अर्जुन ने अपने और मलायका के ब्रेकअप की पुष्टि की।

जैसे ही अर्जुन माइक हाथ में लेते हैं, भीड़ में से लोग मलायका के नाम के नारे लगाने लगते हैं। यह सुनकर अर्जुन कहते हैं 'मैं सिंगल हूं।' नहीं, नहीं! अभी मैं सिंगल हूं, रिलेक्स करो। इन्होंने टॉल और हैंडसम ऐसे बोला, जैसे शादी की बात करने जा रहे हैं बस इसलिए बोल रहा हूं। अर्जुन ने दर्शकों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। मलायका अरोड़ा की शादी अरबाज खान से हुई थी। 2017 में उनका तलाक हो गया। इसके बाद वह अर्जुन कपूर को डेट करने लगीं। मलायका और अर्जुन कपूर 2018 से एक साथ थे।

दीपावली के आने की पूर्व सूचना देता है

हमारे देश में सर्वाधिक धूमधाम से मनाए जाने वाले त्योहार दीपावली का प्रारंभ धनतेरस से हो जाता है। इसी दिन से घरों की लिपाई–पुताई प्रारम्भ कर देते हैं। दीपावली के लिए विविध वस्तुओं की ख़रीद आज की जाती है। इस दिन से कोई किसी को अपनी वस्तु उधार नहीं देता। इसके उपलक्ष्य में बाजारों से नए बर्तन, वस्त्र, दीपावली पूजन हेतु लक्ष्मी–गणेश, खिलौने, खील–बताशे तथा सोने–चांदी के जेवर आदि भी खरीदे जाते हैं।

धन तेरस

धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में इस बारे में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है, वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी आज ही से प्रारम्भ हो जाती है। इस दिन घरों को स्वच्छ कर, लीप–पोतकर, चौक, रंगोली बना सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन ख़रीदना शुभ माना गया है। इस दिन चांदी के बर्तन ख़रीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन हल जुती मिट्टी को दूध में भिगोकर उसमें सेमर की शाखा डालकर लगातार तीन बार अपने शरीर पर फेरना तथा कुंकुम लगाना चाहिए। कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावली, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए। तुला राशि के सूर्य में चतुर्दशी व अमावस्या की सन्ध्या को जलती लकड़ी की मशाल से पितरों का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए।

आज ही के दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जन्मदाता धन्वन्तरि वैद्य समुद्र से अमृत कलश लेकर प्रगट हुए थे, इसलिए धनतेरस को धन्वन्तरि जयन्ती भी कहते हैं। इसीलिए वैद्य-हकीम और ब्राह्मण समाज आज धन्वन्तरि भगवान का पूजन कर धन्वन्तरि जयन्ती मनाता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि धनतेरस आयुर्वेद के जनक धन्वंतरि की स्मृति में मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घरों में नए बर्तन ख़रीदते हैं और उनमें पकवान रखकर भगवान धन्वंतरि को अर्पित करते हैं। लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि असली धन तो स्वास्थ्य है। धन्वंतरि ईसा से लगभग दस हज़ार वर्ष पूर्व हुए थे। वह काशी के राजा महाराज धन्व के पुत्र थे। उन्होंने शल्य शास्त्र पर महत्त्वपूर्ण गवेषणाएं की थीं। उनके प्रपौत्र दिवोदास ने उन्हें परिमार्जित कर सुश्रुत आदि शिष्यों को उपदेश दिए इस तरह सुश्रुत संहिता किसी एक का नहीं, बल्कि धन्वंतरि, दिवोदास और सुश्रुत तीनों के वैज्ञानिक जीवन का मूर्त रूप है। धन्वंतरि के जीवन का सबसे बड़ा वैज्ञानिक प्रयोग अमृत का है। उनके जीवन के साथ अमृत का कलश जुड़ा है। वह भी सोने का कलश। अमृत निर्माण करने का प्रयोग धन्वंतरि ने स्वर्ण पात्र में ही बताया था। उन्होंने कहा कि जरा मृत्यु के विनाश के लिए ब्रह्मा आदि देवताओं ने सोम नामक अमृत का आविष्कार किया था।

सुश्रुत उनके रासायनिक प्रयोग के उल्लेख हैं। धन्वंतरि के संप्रदाय में सौ प्रकार की मृत्यु है। उनमें एक ही काल मृत्यु है, शेष अकाल मृत्यु रोकने के प्रयास ही निदान और चिकित्सा हैं। आयु के न्यूनाधिक्य की एक-एक माप धन्वंतरि ने बताई है। पुरुष अथवा स्त्री को अपने हाथ के नाप से 120 उंगली लंबा होना चाहिए, जबकि छाती और कमर अठारह उंगली। शरीर के एक-एक अवयव की स्वस्थ और अस्वस्थ माप धन्वंतरि ने बताई है। उन्होंने चिकित्सा के अलावा फसलों का भी गहन अध्ययन किया है। पशु-पक्षियों के स्वभाव, उनके मांस के गुण-अवगुण और उनके भेद भी उन्हें ज्ञात थे। मानव की भोज्य सामग्री का जितना वैज्ञानिक व सांगोपांग विवेचन धन्वंतरि और सुश्रुत ने किया है, वह आज के युग में भी प्रासंगिक और महत्वपूर्ण है।

बारह वर्ष किसान के घर रहीं थीं लक्ष्मी

धनतेरस की कथा

एक समय भगवान विष्णु मृत्युलोक में विचरण करने के लिए आ रहे थे, लक्ष्मी जी ने भी साथ चलने का आग्रह किया। विष्णु जी बोले- यदि मैं जो बात कहूं, वैसे ही मानो, तो चलो। लक्ष्मी जी ने स्वीकार किया और भगवान विष्णु, लक्ष्मी जी सहित भूमण्डल पर आए। कुछ देर बाद एक स्थान पर भगवान विष्णु लक्ष्मी से बोले- जब तक मैं न आऊं, तुम यहाँ ठहरो। मैं दक्षिण दिशा की ओर जा रहा हूं, तुम उधर मत देखना। विष्णुजी के जाने पर लक्ष्मी को कौतुक उत्पन्न हुआ कि आखिर दक्षिण दिशा में क्या है जो मुझे मना किया गया है और भगवान स्वयं दक्षिण में क्यों गए, कोई रहस्य ज़रूर है। लक्ष्मी जी से रहा न गया, ज्योंही भगवान ने राह पकड़ी, त्योंही लक्ष्मी भी पीछे-पीछे चल पड़ीं। कुछ ही दूर पर सरसों का खेत दिखाई दिया। वह खूब फूला था। वे उधर ही चलीं। सरसों की शोभा से वे मुग्ध हो गईं और उसके फूल तोड़कर अपना शृंगार किया और आगे चलीं। आगे गन्ने (ईख) का खेत खड़ा था। लक्ष्मी जी ने चार गन्ने लिए और रस चूसने लगीं। उसी क्षण विष्णु जी आए और यह देख लक्ष्मी जी पर नाराज़ होकर शाप दिया- मैंने तुम्हें इधर आने को मना किया था, पर तुम न मानीं और यह किसान की चोरी का अपराध कर बैठीं। अब तुम उस किसान की 12 वर्ष तक इस अपराध की सजा के रूप में सेवा करो। ऐसा कहकर भगवान उन्हें छोड़कर क्षीरसागर चले गए। लक्ष्मी किसान के घर रहने लगीं।

वह किसान अति दरिद्र था। लक्ष्मीजी ने किसान की पत्नी से कहा- तुम स्नान कर पहले इस मेरी बनाई देवी लक्ष्मी का पूजन करो, फिर रसोई बनाना, तुम जो मांगोगी मिलेगा। किसान की पत्नी ने लक्ष्मी के आदेशानुसार ही किया। पूजा के प्रभाव और लक्ष्मी की कृपा से किसान का घर दूसरे ही दिन से अन्न, धन, रत्न, स्वर्ण आदि से भर गया और लक्ष्मी से जगमग होने लगा। लक्ष्मी ने किसान को धन-धान्य से पूर्ण कर दिया। किसान के 12 वर्ष बड़े आनन्द से कट गए। तत्पश्चात 12 वर्ष के बाद लक्ष्मीजी जाने के लिए तैयार हुईं। विष्णुजी, लक्ष्मीजी को लेने आए तो किसान ने उन्हें भेजने से इंकार कर दिया। लक्ष्मी भी बिना किसान की मर्जी वहाँ से जाने को तैयार न थीं। तब विष्णुजी ने एक चतुराई की। विष्णुजी जिस दिन लक्ष्मी को लेने आए थे, उस दिन वारुणी पर्व था। अतः किसान को वारुणी पर्व का महत्व समझाते हुए भगवान ने कहा- तुम परिवार सहित गंगा में जाकर स्नान करो और इन कौड़ियों को भी जल में छोड़ देना। जब तक तुम नहीं लौटोगे, तब तक मैं लक्ष्मी को नहीं ले जाऊंगा। लक्ष्मीजी ने किसान को चार कौड़ियां गंगा के देने को दी। किसान ने वैसा ही किया। वह सपरिवार गंगा स्नान करने के लिए चला। जैसे ही उसने गंगा में कौड़ियां डालीं, वैसे ही चार हाथ गंगा में से निकले और वे कौड़ियां ले लीं। तब किसान को आश्चर्य हुआ कि वह तो कोई देवी है। तब किसान ने गंगाजी से पूछा- माता! ये चार भुजाएं किसकी हैं? गंगाजी बोलीं- हे किसान! वे चारों हाथ मेरे ही थे। तूने जो कौड़ियां भेंट दी हैं, वे किसकी दी हुई हैं? किसान ने कहा- मेरे घर जो स्त्री आई है, उन्होंने ही दी हैं।

इस पर गंगाजी बोलीं- तुम्हारे घर जो स्त्री आई है वह साक्षात लक्ष्मी हैं और पुरुष विष्णु भगवान हैं। तुम लक्ष्मी को जाने मत देना, नहीं तो पुनः निर्धन हो जाओगे। यह सुन किसान घर लौट आया। वहां लक्ष्मी और विष्णु भगवान जाने को तैयार बैठे थे। किसान ने लक्ष्मीजी का आंचल पकड़ा और बोला- मैं तुम्हें जाने नहीं दूंगा। तब भगवान ने किसान से कहा- इन्हें कौन जाने देता है, परन्तु ये तो चंचला हैं, कहीं ठहरती ही नहीं, इनको बड़े-बड़े नहीं रोक सके। इनको मेरा शाप था, जो कि 12 वर्ष से तुम्हारी सेवा कर रही थीं। तुम्हारी 12 वर्ष सेवा का समय पूरा हो चुका है। किसान हठपूर्वक बोला- नहीं अब मैं लक्ष्मीजी को नहीं जाने दूंगा। तुम कोई दूसरी स्त्री यहाँ से ले जाओ। तब लक्ष्मीजी ने कहा- हे किसान! तुम मुझे रोकना चाहते हो तो जो मैं कहूं जैसा करो। कल तेरस है, मैं तुम्हारे लिए धनतेरस मनाऊंगी। तुम कल घर को लीप-पोतकर स्वच्छ करना। रात्रि में घी का दीपक जलाकर रखना और सांयकाल मेरा पूजन करना और एक तांबे के कलश में रुपया भरकर मेरे निमित्त रखना, मैं उस कलश में निवास करूंगी। किंतु पूजा के समय मैं तुम्हें दिखाई नहीं दूंगी। मैं इस दिन की पूजा करने से वर्ष भर तुम्हारे घर से नहीं जाऊंगी। मुझे रखना है तो इसी तरह प्रतिवर्ष मेरी पूजा करना। यह कहकर वे दीपकों के प्रकाश के साथ दसों दिशाओं में फैल गईं और भगवान देखते ही रह गए। अगले दिन किसान ने लक्ष्मीजी के कथानुसार पूजन किया। उसका घर धन-धान्य से पूर्ण हो गया। इसी भांति वह हर वर्ष तेरस के दिन लक्ष्मीजी की पूजा करने लगा।

धनतेरस : ऐसे करें पूजा

कुबेर पूजन से प्राप्त होगी अक्षय लक्ष्मी-एक पूजा सुपारी को इत्र में डुबो कर लाल कुमकुम से बने स्वस्तिक पर स्थापित करें। धूप, दीप, आरती इत्यादि से पूजन करें। भोग लगा कर इस मंत्र से कमल के फूल या किसी भी सुगन्धित पुष्प अर्पित करें- 'ऊं यक्षाय कुबेराय वैश्रणवाय धनधान्यादि पतये धनधान्य समृद्धि में देहि देहि दापय दापय स्वाहा।' दीपवली के दिन पुनः इसी कुबेर का पूजन लक्ष्मी पूजा के पश्चात करें। अक्षय लक्ष्मी की प्राप्ति होगी।

धन्वंतरि पूजा : धनतेरस के दिन धन्वंतरि की भी पूजा होती है। इस दिन प्रातःकाल धन्वंतरि के पूजन के पूर्व यदि विष्णु सहस्रनाम का पठन या श्रवण किया जाये तो स्वास्थ्य लाभ होगा। आम की लकड़ी के पाटे पर हल्दी से स्वस्तिक बनायें। स्वस्तिक के मध्य एक बड़ी पूजा सुपारी को गुलाब जल से स्वच्छ कर भगवान धन्वंतरि के रूप में स्थापित कर पूजन करें।

यम दीपदान : धनतेरस को सायंकाल प्रदोषकाल में यम दीपदान करना चाहिए। चारों दिशाओं की ओर मुख की हुई चार रूई की बत्तियां रख कर दिये को तिल के तेल से भर दें। दक्षिण दिशा की ओर देखते हुए निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए चार मुंह के दीपक को लाई की ढेरी के ऊपर रख दें।

मृत्युना पाश दण्डाभ्यां कालेन च मया सह।
त्रयोदश्यां दीप दानात् सूर्यजः प्रीयता मिति॥

पंचदिवसात्मक पर्व है दीपावली

प्रथम दिवस : प्रथम दिन अर्थात् कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी को धनत्रयोदशी अथवा धनतेरस भी कहा जाता है। यह पर्व धन्वन्तरि जयंती के रूप में और धनतेरस के रूप में मनाया जाता है। समुद्र मंधन के समय हाथों में अमृत का कलश लिए धन्वन्तरि की उत्पत्ति इसी दिन हुई थी। यह पर्व वैद्यों के लिए महत्व का है, क्योंकि धन्वन्तरि देव आयुर्वेद के जनक माने जाते हैं। धनवन्तरि जयंती सूर्योदय कार्तिक त्रयोदशी को मनाई जाती है। धनतेरस के रूप में इन दिन धनाध्यक्ष कुबेर की पूजा होती है। इस दिन धातु के बर्तन खरीदना समृद्धिदायक माना जाता है। यह पर्व घर में सुख-समृद्धि के लिए मनाया जाता है। इसलिए इस दिन किसी भी व्यक्ति को धन उधार नहीं देना चाहिए और धन का अपव्यय भी नहीं करना चाहिए। सायंकाल मुख्यद्वार के दोनों ओर दीपदान करना चाहिए। यह दीपदान इस पर्व के पांचों दिन किया जाता है। इनमें दीपदान करने से यमराज प्रसन्न होते हैं और अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है।

द्वितीय दिवस : द्वितीय दिन कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी भी कहा जाता है इस तिथि को रूपचतुर्दशी भी कहते हैं। इस दिन सूर्योदय से पहले उबटन लगाकर स्नान किया जाता है। स्नान से पहले तिल्ली के तेल से शरीर की मालिश करनी चाहिए, क्योंकि इस दिन तेल में लक्ष्मी का और जल में गंगा का निवास माना जाता है। स्नान के पश्चात यमतर्पण किया जाता है। इस दिन हनुमान जयंती का पर्व मनाया जाता है। दोपहर के समय हनुमान जी की पूजा-उपासना की जाती है और उन्हें नैवैद्य अर्पित किया जाा है। भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन नरकासुर को मारकर उसके आतंक से निजात दिलवाई थी। इसलिए यह दिन नरकचतुर्दशी के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन को छोटी दीपावली के रूप में भी मनाते हैं। दीपावली के समान ही इस दिन दीपदान किया जाता है। राजा बलि के राज में दीपमाला प्रज्वलित की जाती है। इसी दिन से राजा बलि का राज प्रारंभ होता है।

तृतीय दिवस : अर्थात कार्तिक अमावस्या दीपावली पर्व के रूप में मनाई जाती है। कमला जयंती होने के कारण इस दिन माँ लक्ष्मी की पूजा-उपासना की जाती है। इस त्योहार को मनाए जाने के कई कारण है। भगवान श्रीराम इसी दिन 14 वर्ष का वनवास भोगकर अपने राज्य में लौटे थे। इसलिए इस दिन दीप जलाकर यह खुशी मनाई जाती है। इस दिन माँ लक्ष्मी का पूजन किया जाता है। दीपावली की रात्रि को महानिशा की संज्ञा दी गई है। रात्रिकाल में जागरण करके माँ लक्ष्मी का स्वागत करने के लिए सभी लोग तत्पर रहते हैं। लक्ष्मी पूजन के अतिरिक्त इस दिन व्यापारी अपने व्यापारिक स्थल की पूजा, तुला पूजन, बहीखाते का पूजन, लेखनी का पूजन, दवात का पूजन और कुबेर का पूजन किया जाता है। लक्ष्मी पूजन के अतिरिक्त भगवान गणेश, महाकाली, माँ सरस्वती का पूजन भी करते हैं। ये सभी पूजन प्रदोषकाल एवं स्थिर लग्न में श्रेष्ठ होते हैं। इस दिन घर में दीपमालिकाएं लगाई जाती हैं। प्रकाश के लिए विभिन्न सजावटी वस्तुएं सजाई जाती हैं।

चतुर्थ दिवस : इस त्यौहार का चौथा दिन अर्थात् कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा, गोवर्धन पूजा और अन्नकूट के रूप में मनाया जाता है। कृष्ण भगवान के अवतार से पहले इस दिन इंद्र की पूजा की जाती थी, परन्तु भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन की पूजा आरंभ करवाई। इस दिन गोबर से घर के आंगन में गोवर्धन पर्वत की रचना कर उसका पूजन किया जाता है और उसे नैवेद्य का भोग लगाया जाता है। मंदिरों में अन्नकूट का आयोजन होता है और प्रसादी का वितरण होता है। गोवर्धन को गौ दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गायों की सेवा करने का विशेष महत्व है।

पंचम दिवस : पांचवा दिन अर्थात कार्तिक शुक्ल द्वितीया भाईदूज और यमद्वितीया के रूप में मनाई जाती है। इस दिन भाई अपनी बहन के घर जाकर भोजन करते हैं तथथ भाई अपनी बहिन को श्रद्धानुसार भेंट प्रदान करते हैं। यम की बहन यमी के द्वारा इस दिन यम को बुलाकर भोजन करवाया गया था। यमी ने अपने भाई का अनेक प्रकार से सत्कार किया था और भोजन के पश्चात टीका भी किया। यम ने भी प्रसन्न होकर अपनी बहन को अनेक प्रकार की भेंट प्रदान की और व मांगने को कहा। यमी ने अपने भाई यम से वर मांगा कि जो बहन इस दिन अपने भाई को भोजन करवाये तथा टीका करे, उनकी रक्षा होनी चाहिए। इसलिए इस त्यौहार को यमद्वितीया कहा जाता है। इस दिन चित्रगुप्त जी का पूजन और विश्वकर्मा जी की पूजाजा एवं उपासना भी की जाती है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीमों ने शहर में विभिन्न दुकानों से लिए खाद्य पदार्थों के नमूने

ग्वालियर - दीपावली त्यौहार को ध्यान में रखकर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को खाद्य सुरक्षा प्रशासन की विभिन्न टीमों ने शहर में अलग-अलग जगहों पर मिठाई व खान-पान की दुकानों का औचक निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। इन नमूनों की जांच राज्य खाद्य प्रयोगशाला में कराई जायेगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री सतीश धाकड ने फर्म जोधपुर मिष्ठान भण्डार थाटीपुर से बेसन लड्डू और मलाई बर्फी के नमूने लिये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री बृजेश शिरोमणि ने फर्म श्री मॉं दुर्गा मिष्ठान भण्डार (छप्पन भोग) थाटीपुर से बेसन लड्डू, मावा बर्फी, बालूशाही और चॉकलेट बर्फी के नमूने लिये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री गोविन्द नारायण सरगैयां ने फर्म महावीर स्वीट्स एवं नमकीन थाटीपुर से मावा बर्फी, बेसन के लड्डू, फूड कलर और बैकिंग पाउडर के नमूने लिये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री सतीश शर्मा ने फर्म बृजराम स्वीट्स कुम्हरपुरा से बेसन लड्डू और आटा ड्राई फ्रूट लड्डू के नमूने लिये। खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा लिये सभी नमूनों को जाँच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा जायेगा।

सौंपी गई जिम्मेदारी को कर्तव्यनिष्ठा से करें पूरी:बीआरसीसी नरहरि मिश्रा

68 वी शालेय क्रीड़ा संभागीय खो खो प्रतियोगिता को लेकर बीआरसीसी ने ली बैठक

भितरवार। 68 वी शालेय क्रीड़ा संभागीय खो खो प्रतियोगिता के भव्य आयोजन व पुख्ता प्रबंधों को सुनिश्चित करने को लेकर गठित समितियों की बैठक बीआरसीसी कार्यालय में प्रतियोगिता के सहसंयोजक बीआरसीसी नरहरि मिश्रा ने बैठक लेकर प्रतियोगिता की तैयारियों संबंधी सभी कार्य समय रहते पूरा करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और प्रतियोगिता को भव्य सफल आयोजन के लिए अधिकारियों /कर्मचारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई। प्रतियोगिता के सहसंयोजक बीआरसीसी नरहरि मिश्रा ने कहा कि 68 वी शालेय क्रीड़ा संभागीय खो प्रतियोगिता खो खो प्रतियोगिता की मेजबानी करने का सौभाग्य भितरवार को प्राप्त हुआ है 4 से 6 नवंबर तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिता नगर के वार्ड 7 स्थित काली माता मंदिर मैदान में भव्य समारोह के साथ आयोजित होगी। संभागीय प्रतियोगिता के लिए मेजबानी की जिम्मेदारी मिलना हम सबके लिए गर्व की बात है । इस प्रतियोगिता को भव्य बनाने के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की विशेष जिम्मेदारी बनती है कि वह इस प्रतियोगिता के आयोजन में बढ़चढ़ कर भाग लें और समारोह को भव्य पूर्ण ढंग से आयोजित करने बारे जिस अधिकारी एवं कर्मचारी को जो कार्य सौंपा जाए वह उसे पूरी लगन,मेहनत एवं पूरी कर्तव्य निष्ठा से पूरा करें । उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में जिलों से चयनित टीमें भाग ले रही है अंडर 19 वर्ग में बालिका और बालक वर्ग की टीमें आ रही है इनके आवास की व्यवस्था हमें बेहतर तरीके से करना है खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो यह तय किया जाए।उन्होंने कहा कि 4 नवंबर को प्रारंभ भव्य समारोह का आयोजन का आयोजन भी किया गया है तथा मार्च पास्ट में

विभिन्न स्कूलों की टुकड़ियां भाग लेंगी

उन्होंने समारोह स्थल पर सफाई व्यवस्था, सुरक्षा, बिजली, स्वच्छ पेयजल,व प्राथमिक चिकित्सा व्यवस्था आदि के लिए लिए गठित समितियों के संयोजक सहसंयोजकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में नरेंद्र भार्गव, पंकज दुबे, प्रवीण उपाध्याय, शिवकुमार लक्षकार महेश बाथम अनिल शिवहरे, रविन्द्र यादव,भारत-भूषण जोशी, उमेश लक्षकार,अरुण जोशी ,धीरेन्द्र सिंह यादव सहित अनेक शिक्षक उपस्थित थे।

फुटपाथ पर व्यवसाय करने वालों को शुल्क में छूट देने के साथ सुविधायें भी उपलब्ध कराएँ

संभाग आयुक्त ने दोनों संभागों के अधिकारियों को दिए निर्देश

ग्वालियर -/ राज्य शासन द्वारा रेहड़ी-पटरी व फुटपाथ पर शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में व्यवसाय करने वाले शिल्पियों व कारीगरों एवं आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं के स्व-सहायता समूहों को दीपावली पर्व पर व्यवसाय में शुल्क की छूट प्रदान की गई है। संभाग आयुक्त मनोज खत्री ने ग्वालियर ङ्क चंबल संभाग के सभी जिलों में इस आदेश का पालन कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। यह आदेश 29 अक्टूबर से 11 नवम्बर 2024 तक प्रभावशील रहेगा। संभाग आयुक्त श्री खत्री ने राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के पालन में फुटपाथ पर व्यवसाय करने वाले कारीगरों व आम नागरिकों की सुविधा के लिये ग्राम पंचायत व स्थानीय निकायों के सहयोग से बाजारों व हाट बाजारों में साफ-सफाई, पेयजल तथा शौचालय इत्यादि की सुविधायें उपलब्ध कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

थाने के सामने अतिक्रमणकारी करते रहे निर्माण मुक दर्शक वनकर देखते रहे जिम्मेदार

लहार नगर में पुलिस थाने के भवन के सामने पुलिस थाना परिसर की जगह में अतिक्रमणकारियों ने लगभग कई वर्षों पूर्व अतिक्रमण कर दुकानों का निर्माण करवा लिया था सुत्रो की मानें तो जिस प्रशासन ने अतिक्रमण हटाया उसी प्रशासन ने मुक सहमति देकर करवाया था दुकानों का निर्माण और उस समय के तत्कालीन थाना प्रभारी भी मुक दर्शक वनकर निर्माण होता देखते रहे कोर्ट एवं वरिष्ठ अधिकारियों तक भी शायद नहीं पहुंचाया किसी जिम्मेदार ने मामला और यदि वरिष्ठ अधिकारियों को तत्कालीन थाना प्रभारी ने कराया अवगत तो प्रशासन ने क्यों नहीं रोक पाया उसी समय दुकानों का निर्माण, क्या कानून से उपर थे अतिक्रमणकारी य थी तत्कालीन थाना प्रभारी और प्रशासन की मिली भगत खैर वास्तविकता कुछ भी हो विषय विचारणीय है यदि अतिक्रमण था और वह वेधानिक रुप से हटाया गया तो प्रशासन की इस कारवाई सराहनीय है

दिवाली माय भारत यह दिवाली सेवा के साथ युवा कार्यक्रम एवं खेल संपन्न हुआ

अम्बाह। दिवाली माय भारत यह दिवाली सेवा के साथ युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की पहल पर दिवाली विद माय भारत थीम के अंतर्गत 27 28 29 अक्टूबर 2024 को विभिन्न जागरूकता सेवा के कार्यक्रम के आयोजन किया जा रहा है जिसमे अंबाह पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो,विश्वास मेढेकर, राष्टीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पूर्णिमा अग्रवाल के नेतृत्व में व्यापार मंडल के अध्यक्ष विजय गुप्ता तथा सहयोगियों के माध्यम से 29 अक्टूबर 2024 कोस्वयंसेवकों ने स्वच्छता जागरूकता अभियान के अंतर्गत नगर पालिका तथा मुख्य मार्गो पर स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली तथा बाजार में दुकानदारों को कचरा डस्टबिन में डालने की समझाइए दी, साथ ही स्वयं सेवकों ने कचरा बीन कर एकत्रित किया तथा नगर पालिका की गाड़ी में डालकर स्वच्छता का संदेश दिया इस कार्यक्रम में अंबाह के वरिष्ठ नागरिक गिर्राज तिवारी, योगेंद्र सिंह, हरेंद्र गुप्ता, संजय जैन तथा 50 स्वयं सेवक उपस्थित रहे।

भगवान राम का त्याग समस्त समाज के लिए अनुकरणीय: डॉ नारायण हरि शर्मा

अम्बाह । ग्रेस अकादमी स्कूल जग्गा चौराहा में आयोजित श्री राम जानकी दरबार कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सक और शिक्षा समिति परगना अम्बाह के सचिव डॉ नारायण हरि शर्मा उपस्थित रहे ।कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना से हुई। विद्यालय के प्राचार्य धीरेंद्र सिंह तोमर ने डॉ शर्मा का स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए।डॉ शर्मा ने भगवान राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान की आरती की और भगवान राम के त्याग, धैर्य, साहस और पराक्रम को संक्षिप्त मैं बताया। उन्होंने कहा कि भगवान राम के आदर्शों का अनुकरण करके हम समाज को सही दिशा में ले जा सकते हैं।उन्होंने कहा, ÷भगवान राम, लक्ष्मण, सीता ,भरत और हनुमान से हमें त्याग, तपस्या और धर्म की शिक्षा मिलती है। वर्तमान समय में इन आदर्शों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है।÷मुख्य अतिथि ने बच्चों द्वारा सजाई गई कक्षाओं एव विद्यालय की व्यवस्थाओं की सराहना की गई ।दीपावली की पूर्व संध्या पर सभी बच्चों को मिष्ठान वितरण एवं समस्त स्टाफ को उपहार देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम में अभिभावक बंधु विद्यालय के व्यवस्थापक, शिक्षकगण उपस्थित रहे।

संकल्प पत्र के अनुसार ऊर्जा विभाग के अधीन 4300 भर्तियां करेगी पश्चिम क्षेत्र कंपनी

ऊर्जा मंत्री ने कहा कार्मिकों की कमी पूर्ण होगी, उपभोक्ता सेवाएं बढ़ेंगी

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार संकल्प पत्र के तहत ऊर्जा विभाग भी करीब 4300 भर्ती करेगा। इसके लिए ऊर्जा विभाग ने मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर को भर्ती के लिए नोडल कंपनी नामित किया है। पश्चिम क्षेत्र कंपनी द्वारा सभी कंपनियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित कर 4300 शासकीय सेवाओं के पदों की भर्ती के लिए प्रक्रिया तेज कर दी है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि इन भर्तियों से सभी कंपनियों, विशेषकर वितरण कंपनियों में कार्मिकों की कमी काफी हद तक पूर्ण हो जाएगी। साथ ही उपभोक्ता सेवाओं में बढ़ोत्तरी होगी। पश्चिम क्षेत्र कंपनी की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि पश्चिम क्षेत्र और पूर्व क्षेत्र कंपनी द्वारा करीबन 1400-1400 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके अलावा मध्य क्षेत्र कंपनी द्वारा करीब 900, ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा 300, जनरेशन कंपनी द्वारा करीब 270 पदों पर भर्ती की जा रही है। इस तरह विद्युत लाइनमैन, विद्युत जूनियर इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर, लॉ आफिसर, सिक्युरिटी आफिसर, एचआर और आईटी मैनेजर, आफिस असिस्टेंट, प्लांट असिस्टेंट, लेब टेक्निशियन, केमिस्ट, वेलफेयर असिस्टेंट, सिविल इंजीनियर, मेडिकल ऑफिसर, कम्प्यूटर प्रोगामर,चार्टर्ड अकाउंटेंट, लिगल एग्जिक्यूटिव इत्यादि करीब 4 हजार 300 कार्मिकों की भर्ती प्रक्रिया की विभिन्न चरणों में तैयारी युद्ध स्तर पर जारी है। मप्रपक्षेविविकं के मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश सिंह चौहान व अन्य सहयोगी कंपनियों के मानव संसाधन संकाय प्रमुखों की वीडियो कॉन्फ्रेंस से मिटिंग हुई। इसमें भर्ती प्रक्रिया पर विचार किया गया और एक माह से भर्ती के लिए विज्ञापन सूचनाएं जारी करने का निर्णय लिया गया। प्रयास रहेगा कि आगामी तीन माह में कार्मिकों की भर्ती प्रक्रिया, रिजल्ट, अपाइंटेमेट लेटर, ज्वाइनिंग इत्यादि सभी कार्य हो जाएं।

धनतेरस पर सभापति ने दिव्यांग को दी मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल

ग्वालियर। धनतेरस के पावन पर्व पर सभापति मनोज तोमर के द्वारा दिव्यांग पिंकी चंदेल को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल एवं हेलमेट का वितरण किया गया। ट्राई साइकिल मिलने से दिव्यांग को बेहद खुशी हुई, क्योंकि दिव्यांग होने के कारण वह चलने में लगभग असमर्थ था। अब वह बिना किसी सहारे के एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा सकता है। इस अवसर पर प्र. उपायुक्त डॉ. अतिबल सिंह यादव उपस्थित रहे।

कर्मचारियों के हित में एमआईसी ने लिए अनेक फैसले

ग्वालियर । मेयर इन काउंसिल की बैठक महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें निगम की एक भूमि के टुक? की नीलामी में गडब?ी के लिये दोषी राजस्व विभाग के तीन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिये शासन को प्रस्ताव भेजने की बात कही गई है। हजार बिस्तर अस्पताल के मुख्य द्वार के पास की भूमि को नीलामी में एक अस्पताल संचालक को दिया गया इसकी शिकायत शिक्षा विभाग द्वारा की गई थी। यह भूमि शिक्षा विभाग के अधीन थी। इसकी जांच के लिये एमआईसी ने जांच समिति गठित की थी। जांच रिपोर्ट मंगलवार को एमआईसी की बैठक में सौंपी गई जिसमें राजस्व विभाग को अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा निगम आयुक्त से की गई है।

बाल भवन स्थित टीएलसी में आयोजित बैठक में आउटसोर्स मैन पावर उपलब्ध कराई जाने वाली एजेंसी की कार्य अवधि बढाये जाने एवं आउटसोर्स अकुशल 1379 सफाई श्रमिकों की कार्य अवधि तीन माह अथवा नवीन निविदा की स्वीकृति किए जाने एवं स्वीकृत निविदा कार्य को कार्यादेश जारी होने तक समय वृद्धि के साथ उस पर होने वाले व्यय की स्वीकृति के संबंध में निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रकरण में देरी के लिए कौन जिम्मेदार है तथा प्रकरण में क्यों देरी हुई है सात दिवस में सम्पूर्ण जानकारी के साथ पुनः प्रस्तुत करें। इसके साथ ही आउटसोर्स सुरक्षा गार्ड उपलब्ध कराये जाने वाली एजेंसी शर्मा सिक्योरिटी सर्विस की कार्य अवधि बढाये जाने के संबंध में निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा करते हुए निर्णय लिया गया चूंकि प्रकरण में टेंडर हो चुका है अतः दो माह या नवीन निविदा की कार्यवाही पूर्ण होने तक अवधि बढाई जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही वाहन किराया प्रकरण में म्याद वृद्धि एवं अतिरिक्त व्यय स्वीकृति के संबंध में प्राप्त निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा करते हुए निर्णय लिया गया कि समय वृद्धि के साथ ही टेंडर की विस्तृत जानकारी एमआईसी में प्रस्तुत करें।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीमों ने शहर में विभिन्न दुकानों से लिए खाद्य पदार्थों के नमूने

ग्वालियर । दीपावली त्यौहार को ध्यान में रखकर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को खाद्य सुरक्षा प्रशासन की विभिन्न टीमों ने शहर में अलग-अलग जगहों पर मिठाई व खान-पान की दुकानों का औचक निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। इन नमूनों की जांच राज्य खाद्य प्रयोगशाला में कराई जायेगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सतीश धाकड ने फर्म जोधपुर मिष्ठान भण्डार थाटीपुर से बेसन लड्डू और मलाई बर्फी के नमूने लिये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी बृजेश शिरोमणि ने फर्म मॉं दुर्गा मिष्ठान भण्डार (छप्पन भोग) थाटीपुर से बेसन लड्डू, मावा बर्फी, बालूशाही और चॉकलेट बर्फी के नमूने लिये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी गोविन्द नारायण सरगैयां ने फर्म महावीर स्वीट्स एवं नमकीन थाटीपुर से मावा बर्फी, बेसन के लड्डू, फूड कलर और बैकिंग पाउडर के नमूने लिये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सतीश शर्मा ने फर्म बृजराम स्वीट्स कुम्हरपुरा से बेसन लड्डू और आटा ड्राई फ्रूट लड्डू के नमूने लिये। खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा लिये सभी नमूनों को जाँच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा जायेगा।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478